www.tamsasanket.com
वर्षः 29|| अंक 103 ||अम्बेडकरनगर
शनिवार
04 जुलाई 2026||पृष्ठः 08|| मूल्यः₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:17
सूर्यास्तः 07:04
अधिकतमः 37°00
न्यूनतमः 29°00

पेज 07

विशेष समाचार मजबूत लोकतंत्र के लिये ... >>पेज 04 | एटा में कंटेनर ने यात्रियों को ... >>पेज 06 | बॉक्स ऑफिस पर अल्फा...

'देशभर की आस्था पर कुठाराघात'

राम मंदिर में दिया चंदा वापस लेने कोर्ट जाएंगे दिग्विजय सिंह, बोले- शिवराज से ज्यादा दिया था दान

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के बीच अपना 1.11 लाख रुपये का चंदा वापस लेने के लिए कोर्ट जाने की बात कही है. इसके लिए वह अयोध्या के कोर्ट में मुकदमा दायर करेंगे. उन्होंने दान में गड़बड़ी को भगवान राम में लोगों की आस्था पर चोट बताया.

दिग्विजय सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 1 लाख रुपये दान दिए थे, इसलिए उन्होंने उनसे ज्यादा राशि देने का फैसला किया। >> (शेष पेज 06 पर)

"मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मीडिया से बातचीत में दिग्विजय सिंह ने कहा, 'मैंने तय किया है कि अयोध्या में मुकदमा दायर करूंगा. मैंने जो दान दिया था, उसका गबन हुआ है, उसे लूटा गया है. इसलिए वह पैसा मुझे वापस किया जाए ताकि मैं उसे रामालया ट्रस्ट में जमा कर सकूं. मुझे थाने पर भरोसा नहीं है. पुलिस बीजेपी के नियंत्रण में है, इसलिए मैं थाने नहीं जाऊंगा, अदालत जाऊंगा.'"

मंदिर के लिए दो बार दान दिया: दिग्विजय

दिग्विजय सिंह ने कहा, 'राम मंदिर के लिए दो बार चंदा अभियान चलाया गया था. पहली बार जब लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा निकली थी, तब भी मैंने योगदान दिया था. हमें राम मंदिर और भगवान राम पर आस्था है. लेकिन पहली बार जुटाए गए चंदे का कभी हिसाब नहीं दिया गया. अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में (श्रीराम जन्मभूमि बनाम बाबरी मस्जिद विवाद) सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद फिर से चंदा अभियान शुरू किया गया. विश्व हिंदू परिषद ने अभियान चलाया था, लेकिन मैंने उन्हें दान नहीं दिया क्योंकि मुझे उन पर भरोसा नहीं था. चंदे के पैसों के गबन की उनकी आदत पुरानी है. इसलिए मैंने सीधे ट्रस्ट को दान दिया.'

- मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर बड़ा बयान दिया है
- उन्होंने कहा कि वह अयोध्या में मुकदमा दायर करेंगे और मांग करेंगे कि उनके द्वारा दिया गया चंदा वापस किया जाए, क्योंकि उसका गबन हुआ है

यह हमारी आस्था पर गहरी चोटः दिग्विजय

उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे चंपत राय ने 10 से 15 हजार रुपये महीने के वेतन पर कर्मचारियों की नियुक्ति की थी, जबकि रोजाना आने वाले दान का 10 से 20 प्रतिशत हिस्सा गायब हो जाता था. दिग्विजय सिंह ने कहा, 'दान में आने वाली नकदी की गड्डियां गायब हो जाती थीं। >> (शेष पेज 06 पर)

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की घटना दुर्भाग्यपूर्ण, राम भक्तों की भावनाओं को पहुंची ठेस: आरएसएस

अयोध्या के राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी पर RSS के दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि वर्तमान भ्रम और असमंजस की स्थिति समाप्त होनी चाहिए। हमारी अपेक्षा है कि सभी आवश्यक पहल मंदिर प्रबंधन और शासन द्वारा गठित विशेष जांच दल करेंगे।

'खत्म हो भ्रम और असमंजस की स्थिति'

दत्तात्रेय होसबाले ने यह भी कहा कि वर्तमान भ्रम और असमंजस की स्थिति समाप्त होनी चाहिए। इस नजर से हमारी अपेक्षा है कि सभी आवश्यक पहल मंदिर प्रबंधन और शासन द्वारा गठित विशेष जांच दल करेंगे। हमारा यह विश्वास है कि समुचित वित्तीय प्रबंधन, सुचारू संचालन हेतु निर्दोष पारदर्शी व्यवस्थाओं एवं शुद्धता और पवित्रता से परिपूर्ण धार्मिकता से ओतप्रोत वातावरण के द्वारा श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास हिन्दू समाज की आस्था एवं विश्वास को सुदृढ़ बनाए रखेगा। >> (शेष पेज 06 पर)

इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण के विज्ञापन

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेट को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को लेकर सरकार पैरेंट कंपनी Meta को समन भेजेगी। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को यह निर्देश दिए। मंत्रालय Meta से पूछेगा कि इंस्टाग्राम पर ऐसे विज्ञापन कैसे प्रसारित हुए और उन्हें रोकने के लिए प्लेटफॉर्म की ओर से क्या कदम उठाए गए। साथ ही यह भी पूछा जाएगा कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेट को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को रोकने के लिए कंपनी की क्या कर रही है।

टीएमसी मुख्यालय पर बागी गुट का कब्जा

ताले-पोस्टर बदले, इनमें ममता की फोटो नहीं

तैनाती

तमसा संकेत, एजेंसी

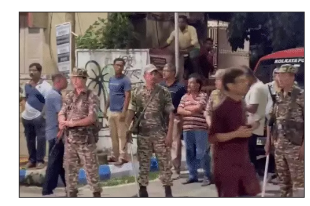

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस (TMC) के बागी गुट ने शुक्रवार को कोलकाता में पार्टी मुख्यालय पर कब्जा कर लिया। ऋतब्रत बनर्जी की अगुआई में बागी नेताओं ने मेट्रोपॉलिटन में मुख्यालय के ताले बदल दिए, नए पोस्टर लगाए, इनमें ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं थी। हालांकि, कार्यालय के अंदर पहले से लगी ममता बनर्जी की तस्वीरों और कटआउट को नहीं हटाया गया। >> (शेष पेज 06 पर)

जैश के 8 आतंकी पकड़े गए

आतंकी मसूद अजहर ने 26 साल पहले बनाया जेम

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात ATS ने आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आठ आतंकियों को गुजरात और मध्य प्रदेश से पकड़ा है। सभी को अलग अलग जिलों से पकड़ा गया है। इनमें से दो की उम्र 18 और 19 साल है।

ये सभी गुजरात में JeM का एक एक्टिव नेटवर्क बनाने के लिए काम कर रहे थे, ताकि आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया सके। एटीएस ने इनसे पूछताछ शुरू कर दी है। जैश ए मोहम्मद (JeM) पाकिस्तान का आतंकवादी संगठन है। इसे आतंकी मसूद अजहर ने साल 2000 में बनाया था। इस पर भारत समेत कई देशों में आतंकी हमलों को अंजाम देने के आरोप हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

दावा-तीसरे शख्स को केतन के मर्डर की प्लानिंग पता थी

पुणे। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने बीड से एक युवक को हिरासत में लिया है। यह युवक बालेवाड़ी की एक कंपनी में काम करता है।

अलर्ट | बचाव

उज्जैन में क्षिप्रा में बाढ़, मंदिर डूबे

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गुरुवार रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गई। राज्य में 60 सड़कें बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में सड़कें पानी में डूब गईं, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं। जामनगर में दो बच्चे पानी में बह गए, स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया। सोमनाथ के सूत्रपाड़ा में घरों में पानी घुसा।

बेंगलुरु डे-केयर मामले में दो महिला अरेस्ट

बेंगलुरु । बेंगलुरु के डे-केयर सेंटर में बच्चों से बदसलूकी के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को विजयलक्ष्मी और मंजुला नाम की दो महिला को गिरफ्तार किया। आरोपी वही महिलाएं हैं जो वायरल वीडियो में बच्चों को प्रताड़ित करती नजर आ रही थीं। यह मामला आईटी कंपनी कैपजेमिनी के एचएएल कैंपस स्थित डे-केयर सेंटर का है।

पांच महाद्वीपों के लोग आरएसएस से ट्रेनिंग मांग रहे : मोहन भागवत

दुनिया को भारत से सही रास्ता दिखाने की उम्मीद

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

- आरएसएस शाखा जीवन की प्रयोगशाला - मोहन भागवत

नागपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने दावा किया है कि दुनिया के पांच महाद्वीपों से लोग संघ के कामकाज को देखने आ रहे हैं और वे चाहते हैं कि RSS के स्वयंसेवक उनके देशों में जाकर लोगों को ट्रेनिंग दें।

शुक्रवार को नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि विदेशों से समय-समय पर लोग संघ का कार्य देखने आते हैं। वे यह जानना चाहते हैं कि RSS किस तरह समाज के लिए समर्पित स्वयंसेवक तैयार करता है और अपने देशों में भी ऐसे कार्यकर्ताओं को तैयार करने के लिए संघ की मदद चाहते हैं। यह कार्यक्रम 'डॉ. हेडगेवारः आधुनिक युग के शालीवाहन' के सार्वजनिक प्रसारण के अवसर पर आयोजित किया गया था। इस दौरान RSS के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में संघ प्रचारकों के जीवन पर आधारित 100 वीडियो भी जारी किए गए। >> (शेष पेज 06 पर)

लखनऊ में आम महोत्सव के शुभारंभ पर बोले सीएम योगी

सर्वश्रेष्ठ आम मूल्य श्रृंखला का केंद्र बनेगा यूपी : योगी

यूपी के आम का यूके, यूएई, कुवैत सहित कई देशों में निर्यात

कार्यक्रम

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ आम मूल्य श्रृंखला का केंद्र बनाने की बात कही है। शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय आम महोत्सव का शुभारंभ करते हुए योगी ने कहा कि प्रदेश में आम की सभी वैरायटी की ब्रांडिंग की जरूरत है। इसके लिए हर वैरायटी को जीआई टैग कराया जाना चाहिए। >> (शेष पेज 06 पर)

आम की अधिक से अधिक किस्मों को जीआई टैग दिलाने के भी दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को एग्री इंटरप्रेन्योर्स बनाने के लिए काम करें, स्मार्ट हार्टिकल्चर की तरफ अग्रसर हों। हर जिले में पोस्ट हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, फूड प्रोसेसिंग यूनिट और एक्सपोर्ट सुविधा विकसित करने के लिए पीपीपी मोड पर भी काम किया जाए। >> (शेष पेज 06 पर)

विदाई : 14 महीने की पोती का ताबूत भी रखा गया, श्रद्धांजलि देने आए राष्ट्रपति पजशकियान रो पड़े

ईरान में खामेनेई का अंतिम संस्कार

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की अंतिम विदाई की रस्में शुरू हो गई हैं। खामेनेई के साथ उनकी 14 महीने की पोती, पत्नी, बेटी और दामाद को भी श्रद्धांजलि दी जा रही है। खामेनेई की पोती के छोटे से ताबूत के पास उसकी तस्वीर भी रखी गई है।

तेहरान के मोसल्ला परिसर में अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के ताबूत रखे गए हैं। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान समेत देश का शीर्ष नेतृत्व तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में खामेनेई को श्रद्धांजलि देने पहुंचा। इस दौरान पजशकियान भावुक होकर रो पड़े। उनके साथ मौजूद ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और कई सैन्य अधिकारी भी अपने आंसू नहीं रोक सके।

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई और उनकी पोती के ताबूत। खामेनेई के ताबूत पर काली पगड़ी रखी गई थी। यह पगड़ी उन शिया धर्मगुरुओं की पहचान मानी जाती है, जो खुद को पैगंबर मोहम्मद का वंशज बताते हैं।

दोहा में हुई बातचीत के बाद कतर ने बताया कि दोनों पक्ष पूर्व सुप्रीम लीडर के अंतिम संस्कार के बाद जल्द अगले दौर की वार्ता करेंगे।

ईरान ने इजराइल पर सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को धमकी देने का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र में शिकायत दर्ज कराई।

खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में मौत हो गई थी। 131 दिन बाद, 9 जुलाई को उन्हें ईरान के मशहद शहर में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। >> (शेष पेज 06 पर)

श्रद्धांजलि समारोह में (बाएं से) ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान, ईरान के चीफ जस्टिस गुलाम-हुसैन मोहसेनी-एजेई और संसद के स्पीकर बाघेर गालिबाफ भावुक नजर आए।

ईरान हाई अलर्ट पर, 2 करोड़ लोगों के पहुंचने का दावा

ईरान ने खामेनेई के अंतिम संस्कार से पहले सेना की तैनाती बढ़ी। कार्यक्रम में 30 देशों के प्रतिनिधि और करीब 2 करोड़ लोग शामिल होंगे। ईरान ने कहा है कि होर्मुज हमारा इलाका है, अमेरिकी दखल बर्दाश्त नहीं करेंगे।

राजा मर्डर-सोनम रघुवंशी की जमानत पर रोक नहीं

सुप्रीम कोर्ट बोला-टाइपिंग की गलती को बनाया आधार

इनकार

तमसा संकेत, एजेंसी

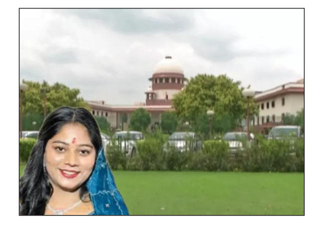

- सॉलिसिटर जनरल बोले- टाइपिंग की गलती से बदली धारा

इंदौर/नई दिल्ली । इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत बरकरार रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा- हमें हाईकोर्ट के फैसले पर कुछ आपत्तियां हैं लेकिन सोनम जेल से बाहर आ चुकी है, इसलिए हम उसकी जमानत पर रोक नहीं लगाएंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने मेघालय सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी कर दिया है, जिसमें हाईकोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी गई है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की अवकाशकालीन पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। इस दौरान मेघालय सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- यह सुनियोजित हत्या का मामला है। >> (शेष पेज 06 पर)

महिला अभ्यर्थियों के जूड़े खुलवाए, चूड़ियां उतरवाईं, 15 सॉल्वर पकड़ाए, एक महिला अभ्यर्थी घूंघट में परीक्षा देने पहुंची

टीईटी एग्जाम ड्यूटी पर जा रहे सिपाही की मौत

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । यूपी में शिक्षक पात्रता परीक्षा (UP-TET) 2026 का आज, शुक्रवार को दूसरा दिन है। सुबह 7:15 बजे से 8:45 बजे तक सेंटरों में अभ्यर्थियों को एंट्री दी गई। एडमिट कार्ड की जांच, बायोमेट्रिक मिलान और रेटिना स्कैन किया गया। पहली शिफ्ट में परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट में दोपहर 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। ललितपुर में एक महिला अभ्यर्थी घूंघट में परीक्षा देने पहुंची। पूछने पर पता चला कि वह जेठ के साथ आई है, इसलिए घूंघट कर रखा है। गोरखपुर में महिला अभ्यर्थियों के बालों के क्लचर, हेयरपिन, चूड़ियां और ज्वेलरी उतरवा दी गईं। पुरुष अभ्यर्थियों की बेल्ट निकलवाकर चेकिंग की गई। हाथरस में महिला अभ्यर्थियों के जूड़े खुलवाकर चेकिंग की गई। पुरुष अभ्यर्थियों के जूते उतरवाए गए। लखनऊ में महिला सिपाही ने स्कूटी से एक अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया। बस्ती में परीक्षा ड्यूटी के लिए जा रहे 51 साल के हेड कॉन्स्टेबल की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे हुआ। महाराष्ट्र में TET परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद यूपी में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। खुफिया एजेंसियां भी अलर्ट पर हैं। शिक्षा चयन आयोग पहली बार अपने AI इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड रूम से परीक्षा की निगरानी कर रहा है।

परीक्षा के पहले दिन यानी गुरुवार को 15 सॉल्वर पकड़े गए। ये सभी दूसरे अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा देने आए थे। पहले दिन परीक्षा में 84.76 फीसदी अभ्यर्थी शामिल हुए। दोनों पालियों में 8,07,636 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड थे।

गोरखपुर में महिला अभ्यर्थियों के बालों के क्लचर, हेयरपिन, चूड़ियां और ज्वेलरी उतरवा दी गईं।

> प्रदेश के 60 जिलों में 955 एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं। परीक्षा 4 जुलाई को भी होगी। 19.94 लाख अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इनमें 17,67,180 परीक्षार्थी यूपी के मूल निवासी हैं। 2,27,481 अभ्यर्थी दूसरे राज्यों से एग्जाम देने पहुंचेंगे। इनमें 1,85,791 सेवारत शिक्षक भी शामिल हैं।

परीक्षार्थी कमलेश बोले- मैथ्स सॉल्व करने के लिए रफ पेज नहीं दिया गया

गोरखपुर में परीक्षार्थी कमलेश कुमार यादव ने कहा कि मैथ्स सॉल्व करने के लिए रफ के लिए सादा पेज नहीं दिया गया था, जिससे बहुत दिक्कत हुई। अगली बार से आयोग को देना चाहिए। पेपर बहुत अच्छा हुआ है। महराजगंज से गोरखपुर पेपर देने पहुंचीं अनीता सोनी ने बताया- 17 साल पढ़ाते हो गया। मन में बहुत डर था, लेकिन,पेपर देकर बहुत अच्छा लगा है। सब व्यवहारिक प्रश्न पूछे गए थे।

प्रयागराज से परीक्षा देने काशी पहुंचे टीचर बोले- सरकार हम लोगों को छूट दे

प्रयागराज से वाराणसी परीक्षा देने पहुंचे टीचर अमित सिंह ने कहा- 20 साल की नौकरी पूरी हो गई है। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर फिर से टीईटी एग्जाम दे रहे हैं। हम लोग विज्ञापन की शर्तों को पूरा करते हुए नियुक्त हुए थे। सरकार से मेरी मांग है कि हम लोग नौकरी कर रहे हैं, इसलिए हमें छूट दी जाएगा। हमें सीएम योगी पर पूरा विश्वास है, वो टीचर्स को किसी प्रकार की हानि नहीं होने देंगे।

लखनऊ में एक महिला सिपाही ने स्कूटी से एक अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया।

बरसात बाद चिलुआताल से निकाली जाएगी गाद

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। शहर के उत्तरी छोर पर स्थित चिलुआताल को भी धीरे-धीरे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस ताल के किनारे हुए सुंदरीकरण कार्य का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। चरणबद्ध तरीके से इसे और बेहतर बनाने की घोषणा भी की थी। अब इसका संचालन भी गोरखपुर विकास प्राधिकरण (GDA) करेगा। हस्तांतरण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। रामगढ़ताल की तर्ज पर यहां भी बोटिंग शुरू की जाएगी। उसके लिए बरसात के बाद डिसिल्टिंग होगी यानी गाद निकाली जाएगी। कहां से कितनी गाद निकालनी है इसके लिए रिमोट सेंसिंग डिपार्टमेंट के जरिए ताल का सर्वे कराया जाएगा।

इस सर्वे में यह पता लगाया जाएगा कि ताल में कहां से कितनी गाद निकालने की जरूरत है। यदि पहले से ही बोटिंग के लिए पर्याप्त गहराई मिलेगी तो संचालन शुरू कर दिया जाएगा। बोटिंग ताल में कितनी दूर तक की जाएगी, इसकी जानकारी भी इसी सर्वे के जरिए मिल जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों लोकार्पण के बाद चिलुआताल घाट लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हुआ है। सुबह और शाम बड़ी संख्या में लोग यहां टहलने, प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने और परिवार के साथ समय बिताने पहुंच रहे हैं।

सीएम ने किया था उद्घाटन रामगढ़ताल की तरह यहां भी होगी बोटिंग

'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर वृक्षारोपण, ली हरित प्रतिज्ञा

हरित सारथी अभियान' ने शंकराचार्य जूनियर हाईस्कूल

तमसा संकेत, संवाददाता

भरतौल, बरेली। वन महोत्सव के अवसर पर शुक्रवार को शंकराचार्य जूनियर हाई स्कूल, भरतौल में 'हरित सारथी अभियान वृक्षारोपण महायज्ञ' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश वन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और वन विभाग के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह अभियान एक पेड़ मां के नाम₹ की भावनात्मक थीम पर केंद्रित था, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को प्रकृति से गहराई से जोड़ना था। इस पहल का नेतृत्व वन विभाग की मंडलीय वन प्रभारी टीम के अधिकारियों चिंतामणि शर्मा, योगिता मैडम एवं चंचल मैडम, बरेली और जिला लीड हरित सारथी प्रांजुल शर्मा व सहयोगी हरित सारथी शिवम मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल परिसर और आसपास के भरतौल क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान के साथ हुई। वृक्षारोपण के लिए वृक्षों का प्रबंध वन विभाग बरेली द्वारा किया गया, छात्रों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और पौधों तथा वृक्षों की देखभाल, सेवा तथा रक्षा का वचन दिया।।

इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण प्रश्नोत्तरी, पर्यावरण आधारित पहेलियाँ और हैंड इम्प्रेशन (हाथों के निशान) जैसी रचनात्मक गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।

जिला लीड हरित सारथी प्रांजुल शर्मा ने कहा, ₹छात्रों और शिक्षकों का उत्साह देखते ही बनता है। हमने बच्चों को सिखाया कि वे न केवल अपनी मां के नाम पर पेड़ लगाएं, बल्कि उनकी देखभाल भी अपने परिवार की तरह करें।

स्कूटी बही, रेलवे अंडरपास में गर्दन तक पानी, कानपुर में 100 फीट की दीवार ढही

मथुरा में जोरदार बारिश, सड़क पर नदियों जैसा बहाव

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। मानसून ने पूरे यूपी को कवर कर लिया है। 15 शहरों में शुक्रवार तड़के से रुक-रुक बारिश हो रही है। मथुरा में दोपहर 1 बजे 30 मिनट तक जोरदार बारिश हुई। रेलवे अंडरपास में गर्दन तक पानी भर गया। सड़क पर नदियों जैसा बहाव देखने को मिला। एक स्कूटी और दुकानदारों को सामान बह गया। कानपुर में गुरुवार देर रात 1 बजे से तड़के 5 बजे तक भारी बारिश हुई। GSVM मेडिकल कॉलेज में पानी भर गया। कारें-बाइकें आधी डूब गईं। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की 100 फीट दीवार गिर गई। बेंसमेंट की दीवार धंसकने से अपार्टमेंट को खाली करना पड़ा।

इधर, झांसी में बिजली गिरने से किसान की मौत हो गई। उन्नाव में इतनी बारिश हुई कि घरों में बरसात का पानी घुस गया। जालौन में भी आंधी के साथ बारिश हुई।

आज यूपी के सभी 75 शहरों में बारिश का अलर्ट है। 11 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। ओले और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। 40 किमी. की रफ्तार से हवा चल सकती है। कहीं-कहीं हवा की रफ्तार 50 किमी. प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

मथुरा में भारी बारिश के बाद सड़क पर नदियों जैसा बहाव देखने को मिला।

कानपुर में GSVM मेडिकल कॉलेज में पानी भर गया। जलभराव के बीच मरीज को ले जाते दिखे तीमारदार।

24 घंटे में सामान्य से 54% ज्यादा बारिश, संभल-मिर्जापुर में सबसे अधिक

यूपी में पिछले 24 घंटे में औसतन 8.4 मिमी. बारिश हुई। जबकि, सामान्य बारिश 5.5 मिमी. होती है। यानी प्रदेश में 54% अधिक बारिश हुई। वहीं, 1 जून से 2 जुलाई 2026 तक की बात करें तो प्रदेश में कुल 58.3 मिमी बारिश हुई। इस दौरान का सामान्य आंकड़ा 106.8 मिमी. है। यानि अब तक प्रदेश में 45% कम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

पिछले 24 घंटे में संभल में सबसे ज्यादा 46.3 मिमी. बारिश हुई। मिर्जापुर में 43.9 मिमी., आजमगढ़ में 41.3 मिमी., बदायूं में 29.8 मिमी., मुरादाबाद में 24.8 मिमी., वाराणसी में 20.9 मिमी., हरदोई में 19.6 मिमी., बिजनौर-एटा में 18.7 मिमी और लखीमपुर-खीरी में 18.4 मिमी. बारिश हुई।

> लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-यूपी में मानसून सक्रिय हो गया है। अब लगातार बारिश की संभावना बनी रहेगी। तापमान में 8 डिग्री तक की गिरावट हुई है। अगले एक हफ्ते तक मौसम ऐसा ही रहेगा। हालांकि, मानसून के दौरान लखनऊ समेत प्रदेश में सामान्य से कम बारिश के आसार हैं।

गोरखपुर में गंभीर मरीजों को बड़ी राहत

गोरखपुर। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरू अस्पताल में गंभीर मरीजों के इलाज की सुविधाएं जल्द और मजबूत होने जा रही हैं। अस्पताल प्रशासन ने लंबे समय से तैयार 32 बेड वाले अत्याधुनिक ICU को शुरू करने की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके साथ ही कॉमन ICU के लिए पांच नए वेंटिलेटर की खरीद भी अंतिम चरण में पहुंच गई है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद गंभीर मरीजों को समय पर बेहतर इलाज मिलेगा और अस्पताल की क्रिटिकल केयर सेवाओं का दायरा भी काफी बढ़ जाएगा। वर्तमान में नेहरू अस्पताल के कॉमन ICU में छह वेंटिलेटर युक्त बेड हैं, लेकिन इनमें से केवल एक वेंटिलेटर ही चालू हालत में है। बाकी वेंटिलेटर तकनीकी खराबी के कारण लंबे समय से बंद पड़े हैं। ऐसे में सांस लेने में गंभीर दिक्कत वाले मरीजों के इलाज में कठिनाई आ रही है।

प्रयागराज में देवेंद्र मिश्र, प्रदेश में कानपुर के अनुराग पांडेय शीर्ष पर

यूपी बार काउंसिल चुनाव: देवेंद्र मिश्र और अनुराग पांडेय आगे

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चुनाव की मतगणना शुक्रवार को सातवें दिन भी प्रयागराज में जारी रही। सातवें दिन कुल 2,516 मतों की गिनती हुई, जिनमें 2,388 वैध और 128 अवैध मत शामिल रहे। इसके साथ ही अब तक 1,46,542 वैध मतों की गणना पूरी हो चुकी है।

सातवें दिन की मतगणना के बाद भी प्रयागराज के प्रत्याशियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रयागराज के देवेंद्र मिश्र नगरहा सबसे मजबूत स्थिति में बने हुए हैं। उन्हें सातवें दिन 173 नए मत मिले और उनका कुल मत आंकड़ा 2,895 तक पहुंच गया। वहीं पंचू राम मौर्य 2,444 मतों के साथ दूसरे प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। जय यादव 2,336 मत, आई.एम. खान (इमरान मबूद खान) 2,260 मत, इमरान उल्लाह 1,807 मत, अमरेंद्र नाथ सिंह 1,967 मत तथा राकेश पाठक 1,690 मतों के साथ मजबूत स्थिति में बने हुए हैं।

मतगणना अभी जारी है और प्रत्येक चरण के साथ उम्मीदवारों के मतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अंतिम परिणाम आने तक शीर्ष स्थानों पर कड़ा मुकाबला बना रहने की संभावना है। प्रयागराज के अधिवक्ताओं की निगाहें विशेष रूप से स्थानीय प्रत्याशियों के प्रदर्शन पर टिकी हुई हैं, जहां नगरहा सहित कई उम्मीदवार जीत की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं।

प्रदेश स्तर पर कौन आगे

पूरे उत्तर प्रदेश की बात करें तो अब तक की मतगणना में अनुराग पांडेय (कानपुर नगर) सबसे आगे चल रहे हैं। उन्हें अब तक 4,033 मत प्राप्त हो चुके हैं। दूसरे स्थान पर शिव पुजन सिंह गौतम (वाराणसी) 3,442 मतों के साथ हैं, जबकि प्रशांत सिंह अटल (लखनऊ) 3,432 मत लेकर तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। इनके बाद शिरीष कुमार मेहरोत्रा (बरेली) 2,813 मत और देवेंद्र मिश्र नगरहा (प्रयागराज) 2,895 मतों के साथ शीर्ष दावेदारों में शामिल हैं।

पति की हत्याकर बाथरूम में दफनाया, टाइल्स लगवाईं

आगरा। आगरा में पत्नी ने पति की हत्या कर लाश घर के बाथरूम में ही दफना दी। किसी को इस बात का पता न चले, इसके लिए बाथरूम में टाइल्स लगवा दीं। फिर 45 दिन तक पति के लापता होने का नाटक करती रही। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे पुलिस वेरिफिकेशन करने पहुंची, तो पत्नी घबरा गई।

पुलिस ने जब पत्नी से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। घटना का खुलासा होने के बाद बड़ी संख्या में इलाके के लोग मौके पर पहुंच गए। मामला थाना सिकंदरा के प्राक्षी टावर चौकी क्षेत्र का है।

मूलरूप से भरतपुर के रंजीत नगर के रहने वाले सुरेंद्र कुमार शर्मा (44) सिकंदरा में दहतोरा के रेणुका धाम कॉलोनी में रहते थे। घर में उनकी पत्नी रूबी, मां कमला और 2 बेटियां भी साथ रहती थीं। सुरेंद्र और रुबी की शादी 16 साल पहले हुई थी। रुबी मूल रूप से वकेबर, इटावा की रहने वाली है।

अखिलेश का जन्मदिन मनाने पर प्रिंसिपल सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में सरकारी स्कूल में सपा प्रमुख अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाने पर प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया गया। दरअसल, 1 जुलाई को सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने परमट प्राइमरी स्कूल में पहुंचे थे। उन्होंने केक काटकर बच्चों के साथ अखिलेश का बर्थडे मनाया था।

इसका वीडियो सामने आने के बाद 2 जुलाई को बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) ने प्रिंसिपल नवीन कुमार त्रिपाठी को सस्पेंड कर दिया। कुछ दिन पहले एक बड़े नेता भी स्कूल गए थे। उन्होंने बच्चों को ब्लैकबोर्ड पर 'न से नरेंद्र' और 'म से मोदी...' लिखकर पढ़ाया था। उस दौरान एक्शन क्यों नहीं लिया गया। अखिलेश यादव का 1 जुलाई को जन्मदिन था। इस मौके पर कानपुर के आर्यनगर से विधायक अमिताभ बाजपेई ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के परमट प्राइमरी स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल परिसर में अखिलेश के जन्मदिन का बैनर लगाया गया। दोपहर 1 बजे स्कूल में केक काटा गया। बच्चों को बैग बांटे गए। विधायक ने इस कार्यक्रम की फोटो और वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की। इसकी जानकारी भाजपा नेताओं ने सांसद रमेश अवस्थी को दी।

सांसद ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) को तलब किया।

सपा विधायक बोले- भाजपा सांसद ने स्कूल में 'म' से मोदी पढ़ाया, एक्शन क्यों नहीं हुआ

वारदात : कनपटी पर सटाकर मारी गोली, सड़क पर बिखरा मांस आरोपी बोला- दबदबा था और रहेगा

100 फीट जमीन के लिए चचेरे भाई की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में गुरुवार रात करीब 9:15 बजे 100 फिट जमीन के लिए 2 सगे भाइयों ने अपने चचेरे भाई की हत्या कर दी गई। आरोपी ने 22 वर्षीय सौरभ सिंह उर्फ बंटी की कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली मारी। गोली लगते ही सौरभ लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा।

उसका सिर फट गया और मांस बाहर सड़क पर बिखर गया। फिर आरोपी ने उसके ऊपर खड़े होकर हवा में पिस्टल लहराई। उसने कहा कि जिसने भी जमीन की तरफ आंख उठा कर देखा। उसे गोलियों से छलनी कर दिया जाएगा। कहा कि दबदबा था और रहेगा। इसके बाद वह अपने भाइयों के साथ मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए 3 टीमों का गठन किया है। जो आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही हैं। वहीं तनाव को लेकर गांव में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। उसके सिर का मांस बाहर निकल आया। गोली चलने की आवाज सुनकर मैं घर से बाहर निकला। मैंने देखा कि मेरा बेटा खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था। बबलू सिंह के दोनों पैरों के बीच में मेरा बेटा पड़ा था।

> गुरुवार रात करीब 9:15 बजे मेरा बेटा सौरभ अपने घर के सामने खड़ा था। तभी देवी प्रसाद सिंह के बेटे बबलू और रिशु पहुंच गए। उनके साथ परिवार का एक लड़का प्रशांत भी था। आरोपियों ने मेरे बेटे से झगड़ा शुरू कर दिया।

घर से 100 मीटर दूर गोली मारी

कहा कि वह जमीन मेरी है। इसे हम लेकर रहेंगे। बबलू बोला कि मैं पंचायत के फैसले को नहीं मानता। अगर तुम लोगों ने जमीन नहीं छोड़ी तो अंजाम बुरा होगा। जब मेरे बेटे ने इनकार किया तो रिशु और प्रशांत ने उस पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। मेरा बेटा बचने के लिए भागने लगा। तभी घर से करीब 100 मीटर दूर बबूल सिंह ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। बबलू ने मेरे बेटे की कनपटी पर सटाकर गोली मार दी। गोली आरपार हो गई। गोली लगते ही मेरा बेटा लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा।

दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में परिजनों ने हंगामा किया। पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाया।

घर के सामने है 100 फीट जमीन

मझवां गांव निवासी सर्वेश सिंह ने बताया कि मैं किसान हूं। मेरे पास करीब 2 बिस्वा जमीन है। मेरे घर के सामने करीब 100 फीट जमीन है। इसको लेकर मेरे बड़े भाई देवी प्रसाद सिंह से विवाद चल रहा था। वह आए दिन जमीन पर कब्जा करने को लेकर झगड़ा करते थे। इसको लेकर करीब 4 से 5 बार पंचायत भी हो चुकी थी। हर बार पंचायत ने मेरे पक्ष में फैसला सुनाया था।

भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष अनुज पर 8 एफआईआर

पीडीए ने दर्ज कराए सभी मुकदमें, लाखों की जमीन पर अवैध प्लानिंग का मामला

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में भारतीय किसान यूनियन (युवा) के प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह और उनके साथियों में एक साथ 8 एफआईआर दर्ज की गई है। सभी मुकदमें पीडीए ने जांच के बाद कराए हैं। हर एफआईआर क्षेत्र के लेखपाल ने वादी बनकर दर्ज कराई है।

सभी मामलों में अवैध प्लाटिंग करने, नक्शा न पास कराने, दूसरे की जमीन पर प्लाटिंग शुरू करने। विरोध करने पर धरना प्रदर्शन कर सरकारी कार्यों में बाधा डालने आदि के केस दर्ज कराए गए हैं। सभी रिपोर्ट प्रयागराज के एयरपोर्ट थाने में दर्ज हुई है। पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है।

बता दें कि भाकियू लगातार प्रयागराज के थानों के बाहर जमीन संबंधित मामलों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर दबाव बनाती रही है।

एयरपोर्ट थाने में दर्ज मुकदमे की तहरीर में कहा गया है कि ग्राम शाहा उर्फ पीपलगांव परगना व तहसील सदर की अराजी पर अनुज सिंह पुत्र देवेन्द नाथ सिंह प्रयागराज विकास प्राधिकरण बगैर नक्शा पास कराये अवैध प्लाटिंग कर रहे हैं।

ऐसे ही आठों एफआईआर में अलग अलग प्लाटिंग को लेकर आरोप लगाए ग्ए हैं। मामला लाखों की जमीनों का है।

जल सत्याग्रह कर रहे

दूसरी तरफ भारतीय किसान यूनियन अजुन सिंह के नेतृत्व में संगम तट पर जल सत्याग्रह कर रही है। इससे पहले एयरपोर्ट थाने में धरना प्रदर्शन किया गया था। एयरपोर्ट थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन में हंगामा भी हुआ था। इसी मामले को लेकर अध्यक्ष अजुन सिंह आज प्रेस कांफ्रेंस करेंगे।

12 केंद्रों पर दोनों पालियों की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, सुरक्षा, पहचान सत्यापन और सीसीटीवी निगरानी की हुई समीक्षा

यूपीटीईटी : परीक्षा केंद्रों पर प्रशासन की पैनी नजर

जायजा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET)-2026 के दूसरे दिन शुक्रवार को जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर दोनों पालियों की परीक्षा शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सकुशल संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने संयुक्त रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दोनों

अधिकारियों ने सर्वोदय इंटर कॉलेज, कोटवा मुहम्मदपुर और बीएन इंटर कॉलेज, अकबरपुर समेत कई परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान अभ्यर्थियों के प्रवेश की व्यवस्था, पहचान सत्यापन, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, परीक्षा कक्षों की व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया गया। प्रशासन की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिले के सभी 12 परीक्षा केंद्रों पर दोनों पालियों की परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा संचालन के दौरान निर्धारित नियमों का पालन कराया गया और पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ पूरी की गई। जिला प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाए रखा।

पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अभ्यर्थियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए केंद्रों के आसपास की निगरानी व्यवस्था का भी जायजा लिया।

निर्देशों के पालन पर रहा जोर

जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को शासन की ओर से जारी सभी दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं मिलीं संतोषजनक

निरीक्षण के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। अभ्यर्थियों का प्रवेश निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कराया गया। पहचान सत्यापन और सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था भी सुचारु रूप से संचालित होती मिली। परीक्षा केंद्रों पर किसी प्रकार की अव्यवस्था या बाधा की सूचना नहीं मिली।

उर्वरक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई 28 दुकानों की जांच में 10 नमूने लिए गए

छापेमारी अभियान में कई प्रतिष्ठान बंद मिले, छह दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शासन के निर्देश पर जिले में उर्वरक बिक्री प्रतिष्ठानों के खिलाफ बृहस्पतिवार को व्यापक जांच अभियान चलाया गया। कृषि विभाग की टीम ने जिलेभर में 28 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर निरीक्षण किया और 10 उर्वरक नमूने जांच के लिए संग्रहित किए।

अभियान के दौरान एसडीएम प्रतीक्षा सिंह, उप कृषि निदेशक (डीडी कृषि) अश्विनी कुमार सिंह और जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी ने कई दुकानों की जांच की। निरीक्षण में वर्मा खाद भंडार और पीसीएफ भीटी प्रतिष्ठान बंद पाए गए। जांच के दौरान खबुरी स्थित शिवेंद्र इंटरप्राइजेज, रगड़गंज के ठाकुर प्रसाद खाद भंडार और रामपुर कला के पटेल खाद भंडार समेत कुल छह प्रतिष्ठानों में अनियमितताएं पाई गईं। इन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों ने दुकानों के रजिस्टर, स्टॉक और बिक्री रिकॉर्ड की गहन जांच की। कई स्थानों पर दर सूची और दस्तावेजों में खामियां सामने आईं, जिसके बाद कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई।

एसडीएम ने उर्वरक विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि उर्वरक वितरण में पारदर्शिता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। जिला कृषि विभाग ने जानकारी दी कि जुलाई माह तक जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। यूरिया, डीएपी, एनपीके और एसएसपी का लक्ष्य के अनुसार भंडारण किया गया है।

डीडी कृषि ने दुकानदारों को निर्देश दिया कि दुकान के बाहर उर्वरक की दर सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए। साथ ही सभी रिकॉर्ड और रजिस्टर अद्यतन रखने के निर्देश भी दिए गए।

फास्ट न्यूज

कटघर कमाल में 8 जुलाई को निकलेगा जुलूस-ए-शोहदाए कर्बला

अंबेडकरनगर। कटघर कमाल में 22 मोहर्रमुल हराम 1448 हिजरी के अवसर पर 8 जुलाई (बुधवार) को पारंपरिक जुलूस-ए-शोहदाए कर्बला निकाला जाएगा। जुलूस सुबह 9:30 बजे इमाम बारगाह ज़ैनबिया से शुरू होगा और अपने निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए इमाम बारगाह हैदरिया पर संपन्न होगा।

चीनी मिल विस्तार को मिली रफ्तार

अंबेडकरनगर। बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड, यूनिट-अकबरपुर की पेराई क्षमता 7,500 टीसीडी से बढ़ाकर 10,000 टीसीडी करने के प्रस्ताव को लेकर पर्यावरण स्वीकृति प्रक्रिया के तहत जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ।

जनसुनवाई की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। इस दौरान उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी आर. वी. सिंह, उपजिलाधिकारी (भीटी) नीरज गौतम, पर्यावरण सलाहकार मनोज गर्ग और यूनिट हेड पंकज शाही मौजूद रहे।

कोर्ट में मामला लंबित, फिर भी जमीन पर कब्जे का आरोप

आलापुर (अंबेडकरनगर)। तहसील आलापुर के ग्राम तेन्दुआई कला में जमीन पर कथित अवैध कब्जे और निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने उपजिलाधिकारी आलापुर को प्रार्थना पत्र देकर मामले में हस्तक्षेप करने, अवैध निर्माण पर रोक लगाने और शांति व्यवस्था बनाए रखने की मांग की है।

राजस्व वादों के निस्तारण में अंबेडकरनगर ने बनाई पहचान

एडीएम (न्यायिक) न्यायालय प्रदेश के टॉप-10 में

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राजस्व वादों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के क्षेत्र में अंबेडकरनगर को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रणाली (RCCMS) पोर्टल पर की गई समीक्षा में एडीएम (न्यायिक) न्यायालय ने प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले टॉप-10 जनपद न्यायालयों में स्थान बनाया है। इस सूची में न्यायालय को आठवां स्थान मिला है। समीक्षा के अनुसार, 1 मई 2026 की तुलना में 1 जून 2026 तक लंबित राजस्व वादों की संख्या में प्रभावी कमी दर्ज की गई। निर्धारित अवधि के भीतर मामलों के निस्तारण में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के आधार पर एडीएम (न्यायिक) न्यायालय को यह स्थान प्राप्त हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, एडीएम (न्यायिक) न्यायालय में

लंबित राजस्व वादों का नियमानुसार और समयबद्ध निस्तारण किया गया। न्यायालय ने मामलों के निपटारे की गति बनाए रखते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्यप्रणाली अपनाई। इसी प्रदर्शन के आधार पर न्यायालय को प्रदेश के श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले न्यायालयों की सूची में शामिल किया गया। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रंजीत सिंह को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि नियमित समीक्षा, प्रभावी मॉनिटरिंग और राजस्व न्यायालयों में वादों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के लिए किए गए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

वन महोत्सव में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

'पौधों की बारात' रैली बनी आकर्षण, ग्रीन चौपाल और वृक्षारोपण अभियान में जुटे लोग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। वन महोत्सव के तहत शुक्रवार को वन विभाग की ओर से जनपद में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रभागीय वनाधिकारी जगदम्बिका प्रसाद के निर्देशन में सावित्री बाई फुले राजकीय इंटर कॉलेज, कुर्की बाजार में वृक्षारोपण, पौधों की बारात, ग्रीन चौपाल और आम भंडारे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

वन महोत्सव की थीम 'पौधों की बारात' के तहत सावित्री बाई फुले राजकीय इंटर कॉलेज से भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में छात्र-छात्राएं, शिक्षक, वन विभाग के अधिकारी और स्थानीय नागरिक

शामिल हुए। लोग हाथों में पौधे लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए आगे बढ़े। रैली पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रेरित किया गया। वन विभाग की ओर से ग्राम सभा कुर्की (अकबरपुर), मोतीगपुर (बसखारी) और कटारिया (टांडा) में ग्रीन चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं को वृक्षारोपण, जल संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

विधायक ने किया पौधारोपण, दिया संरक्षण का संदेश

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है।

उन्होंने लोगों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान आयोजित आम भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

दहेज विवाद में विवाहिता से मारपीट, पांच लोगों पर केस दर्ज

घर से निकालने और जान से मारने की धमकी का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

महरुआ (अंबेडकरनगर)। दहेज उत्पीड़न, मारपीट और धमकी का गंभीर मामला सामने आया है। एक विवाहिता ने पति और ससुरालीजन पर दहेज न देने और विरोध करने पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता विशाखा सिंह, निवासी जामूकला, की शादी तीन वर्ष पूर्व लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र के मांझी रघुनाथपुर निवासी सत्यार्थ सिंह उर्फ आयुष के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी में परिजनों ने करीब 15 लाख रुपये नकद, आभूषण और अन्य सामान दिए थे।

पीड़िता के अनुसार, करीब पांच माह पहले पति एक पराई महिला के संपर्क में आ गया। इसका विरोध करने पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान पति ने सोने का

कंगन बेच दिया और विरोध करने पर मारपीट कर दी।

इसके बाद आभूषण और लगभग डेढ़ लाख रुपये छीन लिए गए। पीड़िता का आरोप है कि उसे घर में बंद कर प्रताड़ित भी किया गया।

पीड़िता के मुताबिक, विवाद बढ़ने के बाद उसे घर से निकाल दिया गया। मायके पक्ष के हस्तक्षेप के बाद कुछ समय के लिए समझौता हुआ, लेकिन स्थिति नहीं बदली। आरोप है कि बाद में फिर से उत्पीड़न शुरू हुआ।

विरोध करने पर पति ने धमकी दी कि ज्यादा बोलने पर जान से मरवाकर फेंकवा दिया जाएगा।

छात्रावास से लेकर पॉलीटेक्निक निर्माण तक औचक निरीक्षण

डीएम ने दो योजनाओं की परखी हकीकत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने शुक्रवार को विकास खंड टांडा स्थित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास, नाउसांडा और त्वरित आर्थिक विकास निधि से निर्माणाधीन राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, हाजलपट्टी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों स्थानों पर व्यवस्थाओं और कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को छात्रावास की नियमित निगरानी करने और साफ-सफाई, भोजन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के

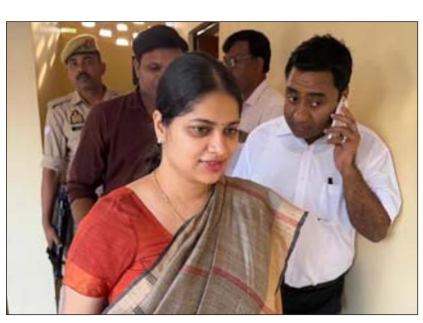

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप छात्रावास की सभी व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से संचालित की जाएं। इसके बाद जिलाधिकारी ने त्वरित आर्थिक विकास निधि के तहत निर्माणाधीन राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, हाजलपट्टी का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का स्थलीय जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था के स्थानिक अभियंता और जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान

छात्रों से बातचीत कर जानी व्यवस्थाओं की स्थिति

राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास, नाउसांडा के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने छात्रावास में रह रहे छात्रों से बातचीत कर आवास, भोजन और अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रों से उपलब्ध सुविधाओं के बारे में सीधे फीडबैक लिया और व्यवस्थाओं की गुणवत्ता का भी आकलन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भोजन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूह के माध्यम से संचालित होने वाली 'प्रेरणा कैंटीन' को जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों से कहा कि छात्रावास में रहने वाले छात्रों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुसार संचालित हों।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी कार्य स्वीकृत मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप होने चाहिए।

खाद आपूर्ति पर प्रशासन सख्त

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को आवश्यक उर्वरक समय पर उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग और उर्वरक आपूर्ति करने वाली कंपनियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

डीएपी और एनपीके की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। खरीफ सीजन के दौरान किसानों को डीएपी और एनपीके उर्वरक की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में उर्वरक आपूर्ति करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खाद की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उर्वरक कंपनियों को निर्देश दिया कि डीएपी और एनपीके की आपूर्ति करते समय प्राथमिकता उन अधिकृत रिटेलरों को दी जाए, जिनके पास

वर्तमान में खाद का स्टॉक उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी अधिकृत विक्रेताओं के यहां पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध रहने से किसानों को खाद के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के सभी क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार समय पर डीएपी और एनपीके की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी क्षेत्र में खाद की कमी की स्थिति नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कंपनियों के प्रतिनिधियों से आपूर्ति व्यवस्था को नियमित बनाए रखने और मांग के अनुसार समय से उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उर्वरकों के वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि खाद वितरण की पूरी प्रक्रिया निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने बैठक में स्पष्ट किया कि यदि उर्वरक आपूर्ति या वितरण में किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बकरी चोरी और बिक्री के आरोप में दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने नकदी भी बरामद की, भीटी थाना पुलिस की कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भीटी थाना पुलिस ने बकरी चोरी और उसे बेचने के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3,500 रुपये भी बरामद किए हैं। दोनों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 23 जून को भीटी क्षेत्र के इटवा (तेजापुर उसरा) गांव निवासी राधेश्याम निषाद ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनकी दो बकरियां और एक बकरा चोरी कर लिया गया और बाद में उन्हें बेच दिया गया। मामले की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने शुक्रवार तड़के बसंतपुर नरायनपुर घाट क्षेत्र से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों

की पहचान भीटी थाना क्षेत्र के बस्तीपुर निवासी ताज मोहम्मद उर्फ सलमान और अयोध्या जिले के तारून थाना क्षेत्र के बरेहटा निवासी खुर्शीद के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से 3,500 रुपये बरामद किए गए। यह रकम चोरी किए गए पशुओं की बिक्री से जुड़ी होने की आशंका के आधार पर जांच का हिस्सा है। पुलिस के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच की गई और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। लगातार की गई कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

सुधार : अग्निशमन विभाग की जांच के बाद मानक व्यवस्था लागू करने की प्रक्रिया तेज

स्वास्थ्य केंद्रों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था अधूरी

8 सीएचसी बिना एनओसी के संचालित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले की सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर स्थिति सामने आई है। जनपद के 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में से केवल जहांगीरगंज और कटेहरी सीएचसी के पास ही अग्निशमन विभाग की अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) उपलब्ध है। शेष आठ सीएचसी बिना एनओसी के संचालित हो रहे हैं।

इन केंद्रों में अकबरपुर, बेवाना, टांडा, बसखारी, भियांव, जलालपुर, भीटी और रामनगर सीएचसी शामिल हैं। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीजों की ओपीडी और भर्ती सेवाएं संचालित होती हैं।

शासन के निर्देश पर अब सभी आठ सीएचसी में मानक के अनुरूप अग्निशमन संयंत्र लगाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

मरीजों की सुरक्षा पर उठे सवाल

जानकारी के अनुसार इन अस्पतालों में केवल अस्थायी और कामचलाऊ फायर फाइटिंग सिस्टम लगाए गए हैं, जो निर्धारित सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करते। इससे मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

अस्पताल भवनों में आग लगने की स्थिति में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था न होने से गंभीर जोखिम की स्थिति बन सकती है।

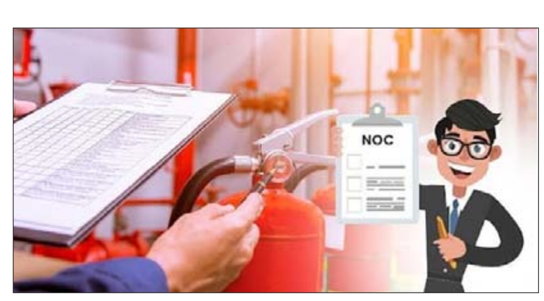

इंजीनियरिंग रिपोर्ट के बाद बनेगा बजट प्रस्ताव

अवर अभियंता और अग्निशमन विभाग के इंजीनियर मिलकर सभी सीएचसी का संयुक्त आकलन करेंगे। इसमें आवश्यक अग्निशमन उपकरणों की सूची तैयार की जाएगी और उसके आधार पर बजट अनुमान बनाया जाएगा।

इसके बाद शासन को बजट प्रस्ताव भेजा जाएगा, ताकि सभी अस्पतालों में मानक फायर सेफ्टी सिस्टम स्थापित किया जा सके।

हाल ही में अग्निशमन विभाग की टीम ने सभी केंद्रों का निरीक्षण कर स्थिति की समीक्षा की थी और मॉक ड्रिल भी कराई गई थी। इसके बाद अब विभागीय स्तर पर संयुक्त सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि सभी आठ सीएचसी में अग्निशमन संयंत्र लगाने की तैयारी चल रही है। सत्यापन के लिए संबंधित विभाग को पत्र भेजा गया है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग रिपोर्ट और बजट स्वीकृति के बाद सभी केंद्रों को अग्निशमन विभाग से एनओसी प्राप्त कराई जाएगी।

सड़क किनारे खड़ी मशीन से टकराई बाइक, युवक की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

जहांगीरगंज (अंबेडकरनगर)। थाना क्षेत्र के अन्नापुर गांव के पास गुरुवार देर रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा बारिश और कम रोशनी के बीच सड़क किनारे खड़ी मशीन से बाइक टकराने के कारण हुआ। जानकारी के अनुसार, आलापुर थाना क्षेत्र के सिपाह गांव निवासी 19 वर्षीय रविन्द्र उर्फ टनटन अपने साथी के साथ बाइक से जहांगीरगंज की ओर जा रहा था। रात करीब 11 बजे बारिश के चलते सड़क पर दृश्यता कम थी। इसी दौरान बाइक सड़क किनारे खड़ी छत ढालने वाली मशीन से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय जानकारी के मुताबिक, बारिश शुरू होने पर मशीन को सड़क किनारे खड़ा किया गया था।

जहांगीरगंज के अन्नापुर के पास बारिश और अंधेरे में हुआ हादसा, एक गंभीर रूप से घायल

मशीन के साथ मौजूद लोग पास में ही बारिश से बचने के लिए चले गए थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

सूचना मिलते ही डायल-112 टीम और जहांगीरगंज थानाध्यक्ष रितेश पांडेय मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने रविन्द्र उर्फ टनटन को मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल का इलाज अस्पताल में जारी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

सम्पादकीय

सड़क सुरक्षा बोर्ड

किस तरह कुछ आवश्यक मामलों में भी समय पर कदम उठाने से बचा जाता है, इसका ही उदाहरण है लंबी देरी के बाद राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी होना। इससे खराब बात और कोई नहीं हो सकती कि सात वर्ष की प्रतीक्षा के बाद इस बोर्ड का गठन किया जा सका और वह भी तब, जब सुप्रीम कोर्ट ने इस बोर्ड के गठन में देरी को लेकर अप्रसन्नता व्यक्त की। कायदे से इस बोर्ड का गठन 2019 में तभी कर दिया जाना चाहिए था, जब मोटर यान अधिनियम में संशोधन कर इसके लिए प्रविधान किए गए थे। इस बोर्ड के गठन में देरी यही बताती है कि हमारे नीति-नियंता सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के मामले में संवेदनशील नहीं।

इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि आखिरकार इस 20 सदस्यीय बोर्ड का गठन कर दिया गया, क्योंकि बात तब बनेगी, जब यह बोर्ड प्रभावी परिणाम देने में समर्थ भी होगा। इस बोर्ड के सदस्यों में सड़क इंजीनियरिंग और यातायात प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे। इसमें विभिन्न राज्यों के परिवहन आयुक्त और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी भी होंगे।

यह बोर्ड केंद्र और राज्य सरकारों के साथ स्थानीय निकायों को यातायात प्रबंधन संबंधी तकनीकी सलाह और सहायता देने के साथ राष्ट्रीय राजमार्गों के सुरक्षित डिजाइन, निर्माण, रखरखाव आदि के न्यूनतम सुरक्षा मानक भी निर्धारित करेगा। इसके अतिरिक्त यह बोर्ड सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की मदद करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां बनाने के भी सुझाव देगा।

समझना कठिन है कि बेलगाम मार्ग दुर्घटनाओं के बाद भी सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन में देरी क्यों हुई? यह काम तो बहुत पहले हो जाना चाहिए था, क्योंकि देश में वर्ष दर वर्ष मार्ग दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इन दुर्घटनाओं में मरने और घायल होने वालों की संख्या विश्व में सबसे अधिक है। मार्ग दुर्घटनाओं के मामले में भारत का रिकार्ड बेहद खराब ही नहीं, बल्कि शर्मनाक भी है, क्योंकि देश में वाहनों की संख्या कई देशों से कम हैं। मार्ग दुर्घटनाओं के कारण किसी से छिपे नहीं।

खराब सड़कें, खटारा वाहन, अकुशल चालक, यातायात नियमों की अनदेखी आदि सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। क्या राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड ऐसे उपाय कर सकेगा, जिनसे इन कारणों का निवारण हो सके? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि जब तक मार्ग दुर्घटनाओं के जाने-पहचाने कारणों का निवारण करने में लापरवाही का परिचय देने वाले अधिकारियों और विभागों को जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक हालात बदलने वाले नहीं हैं। इसलिए और नहीं, क्योंकि सुरक्षित यातायात के लिए जैसी राजनीतिक एवं प्रशासनिक इच्छाशक्ति चाहिए, उसका अभाव ही अधिक दिखता है।

मजबूत लोकतंत्र के लिये दागी नेताओं से मुक्ति जरूरी

> आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उसमें आर्थिक प्रगति के साथ सुशासन, डिजिटल पारदर्शिता, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और जनभागीदारी पर विशेष बल दिया गया है।

भारतीय लोकतंत्र ने स्वतंत्रता के बाद अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति होने के साथ-साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ देश आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक नेतृत्व की नई ऊंचाइयों को छूने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। किंतु यह भी उतना ही बड़ा सत्य है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी विकास में नहीं, बल्कि उसकी राजनीति और शासन व्यवस्था की नैतिकता में निहित होती है। यदि लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखना है तो राजनीति को अपराध, भ्रष्टाचार और स्वार्थ की गिरफ्त से मुक्त करना ही होगा। आजादी के बाद से लगभग हर सरकार ने भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, पारदर्शी प्रशासन और स्वच्छ राजनीति का वादा किया। अनेक आयोग बने, कानून बने और चुनाव सुधारों की चर्चाएं भी हुईं, लेकिन जब भी कोई ठोस एवं प्रभावी सुधार लागू करने का प्रयास हुआ, राजनीतिक दलों ने अपने-अपने हितों के अनुसार उसका समर्थन अथवा विरोध किया। परिणाम यह हुआ कि राजनीतिक शुचिता का प्रश्न आज भी अधूरा है। विडंबना यह है कि अब तक कोई ऐसा खाका सामने नहीं आ सका है, जिससे सिर्फ स्वच्छ छवि के लोगों को ही जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिले। यह और बड़ी विडम्बना है कि जिस विषय पर पूरे राष्ट्र की सहमति होनी चाहिए, वही विषय राजनीतिक टकराव का माध्यम बन जाता है।

आए दिन संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद चुने गए जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके हल को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती। संविधान के तहत केवल दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को ही पद से हटाया जा सकता है और इस संबंध में संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसी संदर्भ में भाजपा सरकार फिर से एक सौ तीसवें संविधान संशोधन विधेयक को संसद में पेश करने की तैयारी में है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रियों को पाँच साल से ज्यादा सजा के प्रावधान वाले गंभीर अपराधों के लिए गिरफ्तार किए जाने और लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने का प्रस्ताव है। अगर विधेयक की जांच के बाद संयुक्त संसदीय समिति इसे अपनी मंजूरी दे देती है, तो संसद के मानसून सत्र में इस पर बहस की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में यह विधेयक पेश किया था। हालांकि विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई कई आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था, लेकिन कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने अपनी चिंताओं को नजरअंदाज किए जाने की आशंका के मद्देनजर समिति का बहिष्कार कर दिया था।

निश्चित ही संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। यदि कोई जनप्रतिनिधि हत्या, बलात्कार, भ्रष्टाचार, आतंकवाद अथवा संगठित अपराध जैसे गंभीर मामलों में लंबे समय तक न्यायिक हिरासत में है, तो क्या वह जनता का प्रतिनिधित्व करने का नैतिक अधिकार बनाए रखता है? यह प्रश्न केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नैतिकता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। हालांकि इस प्रकार के कानून पर कई संवैधानिक प्रश्न भी उठते हैं। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को तब तक निर्दोष मानता है जब तक अपराध सिद्ध न हो जाए। केवल आरोप के आधार पर किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को पद से हटाना राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार भी बन सकता है। विपक्षी दलों की यह आशंका पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकती कि यदि पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं होंगे तो सत्ता में बैठी सरकारें विरोधियों के विरुद्ध जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर सकती हैं। इसलिए किसी भी नए कानून में प्राकृतिक न्याय, न्यायिक समीक्षा और निष्पक्ष जांच की सुदृढ़ व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। लेकिन इन आशंकाओं के कारण सुधार की पूरी प्रक्रिया को रोक देना भी उचित नहीं होगा। लोकतंत्र में सुधार का अर्थ किसी दल को लाभ या हानि पहुंचाना नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को मजबूत करना है। यदि कानून संतुलित, पारदर्शी और न्यायसंगत हो तो वह लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि अधिक विश्वसनीय बनाता है।

भारत की राजनीति में अनेक ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए। बिहार में लालू प्रसाद यादव से लेकर दिल्ली में अरविंद केजरीवाल तथा उनके कुछ मंत्रियों तक, विभिन्न राजनीतिक दलों के अनेक नेता ऐसे रहे हैं जो गंभीर आरोपों अथवा जेल में रहने के बावजूद सत्ता पर बने रहने का प्रयास करते रहे। यह किसी एक दल का प्रश्न नहीं है, लगभग सभी बड़े राजनीतिक दल समय-समय पर इस आलोचना के घेरे में रहे हैं। जेल से सरकार चलाने अथवा संवैधानिक पद पर बने रहने की मानसिकता लोकतंत्र की गरिमा के अनुकूल नहीं कही जा सकती। यह सही है कि कानून अपना कार्य करेगा और न्यायालय अंतिम निर्णय देगा, किंतु सार्वजनिक जीवन केवल कानूनी वैधता से नहीं चलता, उसका आधार नैतिक वैधता भी होती है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि केवल अधिकारों का नहीं, बल्कि आदर्शों का भी प्रतीक होता है। यदि उसके ऊपर गंभीर आरोप हों और वह फिर भी पद से चिपका रहे, तो जनता का लोकतांत्रिक विश्वास कमजोर पड़ता है। राजनीति में पद त्यागना पराजय नहीं, बल्कि नैतिक साहस का परिचायक होता है। विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, एक्सप्रेस-वे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तेज आर्थिक विकास से नहीं बनेगा, वह तभी बनेगा जब शासन चलाने वाले व्यक्तियों की विश्वसनीयता भी उतनी ही मजबूत होगी।

– ललित गर्ग

स्मृतियों का तहखाना

मनुष्य की अलग ही चिंतन की सोच हैं । इस सोच में हमारे दिल और मन की अजीब दास्ताँ है दोनो की अलग-अलग धुरियाँ हैं या यों कहे की दोनो की नदी के अलग - अलग किनारों की तरह स्मृतियों को रखने का अलग - अलग चिन्तन हैं ।काल भाव के कर्म के अनुसार परिस्थिति वश या यों कहे की कितना गुस्सा, अपमान, अवहेलना, ईर्ष्या, उपेक्षा, पीड़ा, वेदना, अहंकार, लोभ राग - द्वेष आदि इसमें पड़ा हैं कैद ।न जाने कब से कितने -कितने भवों से हमारे मन के तहखाने में, जाने-अनजाने में हमारे में यह भरे पड़े हैं या बढ़ रहे हैं आदि । जिससे हमारे को इनमे लिप्तता से पता ही नहीं चलता हैं कि यें कब हमारी हँसी-खुशी और सुख-चैन के पल को चुन - चुन कर छिनते जातें हैं एक-एक कर,इन सबके नीचे हम हालात से दब-दब कर या यूँ कह दे की हमारे हालात हमारे से ही बेक़ाबू हों जातें हैं ।बासी खाने की तरह हमारे में भी आने लगती है इनकी गंध । हमारे व्यवहार में भी यह फैलती जाती है यह दुर्गंध और मन से ही नहीं तन से भी हम हो जाते है बीमार ।इसको मैं एक घटना से रख रहा हुँ ।परिवार में संपन्नता दिनों दिन बढ़ती जा रही थी , यश , कीर्ति में भी बढ़ोतरी हों रही थी। सब कुछ सही दिशा में जा रहा था फिर काल - भाव का कह दे या कर्म का योग आदि से परिवार के मुखिया व अन्य सदस्यों में कथनी - करनी में भिन्नता , अनिति , पक्षपात , ऊँच - नीच , छोटों - बड़ों का मान - सम्मान में पैसों का अहं आ जाना आदि आना शुरू हों गये । जिसका असर परिवार की ख़ुशियों और सुख चैन जाने से शुरु हो गया इसका अहसास भी होना शुरु हो गया लेकिन अधंकार में रखकर कर्म बन्धन का योग और था कार्य अलग तरीक़े से पूर्व की भाँति चल रहे थे तो अचानक दो पुत्रों के एक महीने के अन्तराल में भिन्न - भिन्न नहीं ख़त्म होने वाली बीमारियों ने घेर लिया । थोड़े समय बाद स्वार्थ वश , राग - द्वेष , आदि से पुत्रों के बीमारियों के ईलाज करवाने में भी अनिति , पक्षपात आदि आ गये कर्म का योग यही नहीं रुका कर्म बन्धन का और योग था । पुत्रों के माता के भी नहीं ख़त्म होने वाली बीमारी ने घेर लिया ।

› प्रदीप छाजेड़

उनका राष्ट्रवाद भी ...

कुमार कृष्णन

स्वामी विवेकानंद : आत्मजागरण से राष्ट्रनिर्माण तक

स्वामी विवेकानंद भारतीय पुनर्जागरण के उन महान व्यक्तित्वों में हैं जिन्होंने अध्यात्म को जीवन, समाज और राष्ट्रनिर्माण से जोड़कर देखा। उनके लिए धर्म केवल पूजा-पद्धति या कर्मकांड नहीं था बल्कि मनुष्य के भीतर निहित दिव्यता को जागृत करने का माध्यम था। उन्होंने ज्ञान, कर्म, भक्ति और राजयोग का ऐसा समन्वित दर्शन प्रस्तुत किया, जिसने भारत ही नहीं, पूरे विश्व को नई दिशा दी। आज जब मानवता भौतिक प्रगति के बावजूद मानसिक अशांति, सामाजिक विघटन और नैतिक संकट से जूझ रही है, तब विवेकानंद का चिंतन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है।

स्वामी विवेकानंद की दृष्टि में योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मविकास का विज्ञान है। वे पतंजलि के ₹योगश्चित्तवृत्ति निरोधः₹ सूत्र को आधुनिक संदर्भ में समझाते हुए कहते हैं कि योग मनुष्य को अपने चित्त और इंद्रियों पर नियंत्रण करना सिखाता है। जब मनुष्य अपने मन का स्वामी बन जाता है, तभी वह अपने वास्तविक स्वरूप का अनुभव कर सकता है। उनके अनुसार धर्म आस्था का नहीं, अनुभव का विषय है। ईश्वर का साक्षात्कार किसी अंधविश्वास से नहीं, बल्कि साधना, आत्मानुशासन और आत्मानुभूति से संभव है।

विवेकानंद ने ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग और राजयोग को मानव व्यक्तित्व के चार परस्पर पूरक आयाम माना। ज्ञान विवेक प्रदान करता है, भक्ति हृदय को निर्मल बनाती है, कर्म समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराता है और राजयोग आत्मसंयम तथा आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। उनका मानना था कि इन चारों का संतुलित समन्वय ही पूर्ण मनुष्य का निर्माण कर सकता है।

उनकी प्रसिद्ध उक्ति—₹उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक मत रुको₹—केवल प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है। वे युवाओं को निष्क्रिय आध्यात्मिकता नहीं, बल्कि सक्रिय कर्मयोग का संदेश देते हैं। उनका विश्वास था कि शक्तिशाली शरीर, आत्मविश्वास और चरित्रबल के बिना राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा था कि यदि गीता पढ़ने और फुटबॉल खेलने में किसी एक को चुनना पड़े, तो पहले फुटबॉल खेलो क्योंकि बलवान शरीर से ही सशक्त चरित्र और उच्च आदर्शों की स्थापना संभव है। स्वामी विवेकानंद मूलतः वैज्ञानिक दृष्टि के समर्थक थे। वे धर्म और विज्ञान को विरोधी नहीं, बल्कि सत्य की खोज के दो पूरक मार्ग मानते थे। उनका स्पष्ट मत था कि जिस प्रकार विज्ञान प्रयोग और अनुभव पर आधारित है, उसी प्रकार अध्यात्म भी आत्मानुभूति का विज्ञान है। उन्होंने अंधविश्वास, रूढ़ियों और संकीर्ण धार्मिक सोच का विरोध करते हुए तर्क, विवेक और अनुभव पर आधारित धार्मिक चेतना का समर्थन किया।

उनका राष्ट्रवाद भी विशुद्ध सांस्कृतिक और मानवीय था। वे भारत की आध्यात्मिक परंपरा पर गर्व करते थे, किंतु पश्चिम की वैज्ञानिक उपलब्धियों और संगठन क्षमता की भी खुले मन से प्रशंसा करते थे। उनका विचार था कि भारत को पश्चिम से विज्ञान, तकनीक और संगठन सीखना चाहिए, जबकि पश्चिम को भारत से अध्यात्म, करुणा और मानवता का संदेश ग्रहण करना चाहिए। पूर्व और पश्चिम के इसी समन्वय में वे विश्व-शांति का मार्ग देखते थे।

स्वामी विवेकानंद ने भारतीय समाज की सबसे बड़ी समस्या सामाजिक असमानता को माना। उन्होंने जाति, छुआछूत और ऊँच-नीच के भेदभाव का खुलकर विरोध किया। उनके लिए प्रत्येक मनुष्य ईश्वर का अंश था। उन्होंने ₹दरिद्र नारायण₹ की अवधारणा देकर गरीब, श्रमिक और वंचित वर्ग की सेवा को ईश्वर की सेवा के समान माना। रामकृष्ण मिशन के माध्यम से उन्होंने सेवा को साधना का स्वरूप दिया और अपने अनुयायियों से कहा कि मंदिरों में ईश्वर खोजने से पहले समाज के पीड़ित और उपेक्षित लोगों की सेवा करनी चाहिए। महिलाओं की शिक्षा और सम्मान के प्रश्न पर भी उनका दृष्टिकोण अत्यंत प्रगतिशील था। उनका मानना था कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसकी महिलाओं की स्थिति से आँकी जा सकती है।

सुसंस्कृत ...

कुमकुम शर्मा

परसाई होने का मतलब

वर्ष 2007 में हरिशंकर परसाई का 'माटी कहे कुम्हार से' का द्वितीय संस्करण प्रकाशित हुआ। इस पुस्तक में 'करंट' समाचार-पत्र में प्रकाशित होने वाले स्तम्भ 'माटी कहे कुम्हार से'के व्यंग्य लेखों का संग्रह किया गया है, जिसका प्रथम संस्करण वर्ष 2001 में और द्वितीय संस्करण 2007 में प्रकाशित हुआ। करंट के स्तम्भ की तरह ही यह पुस्तक ंभी बहुत चर्चित रही। पुस्तक की भूमिका में परसाई जी लिखते हैं, ''इस लेखन के बारे में मुझे ग़लतफ़हमी नहीं है। अनुभव ने सिखाया है कि लेखक का अहंकार व्यर्थ है। हम कोई युग प्रवर्तक नहीं है। हम छोटे-छोटे लोग हैं। हमारे प्रयास छोटे-छोटे हैं। हम कुल इतना कर सकते हैं कि देश, समाज और विश्व के हम हैं और जिनसे हमारा सरोकार है, उनके उस संघर्ष में भागीदार हों, जिससे बेहतर व्यवस्था और बेहतर इन्सान पैदा हो। पाठक के हाथों इस संग्रह को इस आश्वासन के साथ सौंपता हूं कि बुद्धि और विवेक ने जो कहा, वही लिखा है, डर और लोभ से कुछ नहीं लिखा गया।''उनके इस वक्तव्य से ही उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व और उसकी आभा का आभास मिल जाता है। प्रेमचंद के बाद सबसे अधिक पढ़े जाने वाले व्यंग्यकार हैं परसाई जी। जमानी होशंगाबाद, मध्य प्रदेश में 22 अगस्त, 1924 को जन्में हरिशंकर परसाई हिन्दी के ऐसे पहले रचनाकार हैं, जिन्होंने व्यंग्य को हल्के मनोरंजन की परम्परागत परिधि से बाहर लाकर समाज के व्यापक प्रश्नों से जोड़ा तथा उसे एक विधा का दर्जा दिलाया। परसाई का रचना संसार कभी न घटने वाला अथाह सागर है उनकी प्रांसगिकता कभी ख़त्म नहीं होती। वे एक ऐसे रचनाकार हैं जिनके पास समाज को देखने परखने का अपना एक दृष्टिकोण था। अपने एक लेख 'अपील का जादू' में वे लिखते हैं-''एक देश है! गणतन्त्र है! समस्याओं को इस देश में झाड़-फँूक, टोना-टोटका से हल कर लिया जाता है। गणतन्त्र जब चरमराने लगता है, तो गुनिया बताते हैं कि राष्ट्रपति की बग्घी के कील-कांटे में कुछ गड़बड़ आ गयी है। राष्ट्रपति की बग्घी की मरम्मत कर दी जाती है और गणतन्त्र ठीक चलने लगता है। सारी समस्यायें मुहावरों, नारों और अपीलों से सुलझ जाती हैं। साम्प्रदायिकता की समस्या को इस नारे से हल कर दिया गया है-हिन्दू-मुस्लिम, भाई-भाई!'' उनके लेखन में इस तरह के अनेक मास्टर पीस हैं जो दोबारा किसी रचनाकार द्वारा नहीं लिखे गये। उनकी व्यंग्य रचनाएं फिर चाहे वे कहानियाँ हों, कविताएं हों अथवा निबन्ध वे अपनी पहचान छोड़ते चलते हैं। लगातार खोखले होते समाज को उन्होंने बारीकी से पढ़ा और समाज के मध्यम वर्ग की हक़ीकत को बड़ी स्पष्टता के साथ अपनी रचनाओं में मुखरता दी। सामाजिक पाखण्ड उन्हें सख़्त नापसंद था तभी तो वे अपने एक निबन्ध में एक स्थान पर लिखते हैं, हम अपनी महान संस्कृति पर गर्व करते हैं पर आचरण में वह संस्कृति गायब है। सुसंस्कृत आदमी का एक लक्षण यह है कि वह दूसरे की तकलीफ़ का ध्यान रखता है। वह अपने कारण दूसरे को कष्ट नहीं देता।'' एक सच्चे ईमानदार इन्सान की तरह उन्होंने जीवन जिया। 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने वन विभाग में नौकरी की। खंडवा में 06 महीने अध्ययन किया। 1941-43 दो वर्षों तक जबलपुर में स्पेस टेनिंग कॉलेज में शिक्षण की उपाधि ली पर जब लगा कि सरकारी नौकरी और जिस तरह का विद्रोही लेखन वे करते थे दोनों साथ-साथ नहीं चल सकते हैं तो सन् 1942 में उन्होंने सरकारी नौकरी को छोड़कर स्वतंत्र लेखन की शुरूआत की।

जरा हटके

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत ...

अशोक त्रिपाठी–हिफी फीचर

संवर रही आदिगंगा गोमती

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार लंका विजय और रावण वध के पश्चात ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति पाने के लिए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अपने गुरु महर्षि वशिष्ठ के आदेशानुसार पतित पावन आदि-गंगा गोमती नदी में स्नान किया था एवं अपने धनुष को भी यहीं पर धोया था। इस प्रकार स्वयं को ब्राह्मण की हत्या के पाप से मुक्त किया था। इससे बहुत पहले गोमती नदी का उल्लेख मिलता है। भागवत पुराण के अनुसार, यह भारत की पांच दिव्य नदियों में से एक है। एकादशी के दिन इसके जल में स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं, ऐसी मान्यता है। इसी के किनारे नैमिषारण्य में 33 कोटि देवी-देवताओं ने तपस्या की थी। इस नदी में प्राकृतिक रूप से गोमती चक्र पाए जाते हैं, जो आध्यात्मिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। हिंदू धर्म में इसे गंगा जी से भी प्राचीन माना गया है, इसलिए कई स्थानों पर इसे आदि गंगा भी कहते हैं। गोस्वामी तुलसीदास की कालजयी रचना रामचरित मानस में उल्लेख है कि महाराज मनु, जिनके वंशज होने के नाते ही हम मनुष्य कहे जाते हैं, उन्होंने अपनी पत्नी शतरूपा के साथ गोमती के तट पर द्वादश अक्षर महामंत्र का जाप करते हुए महाकठिन तपस्या की थी। उनकी आराधना से प्रसन्न होकर परमब्रह्म ने दर्शन दिये थे। मनु और शतरूपा ने भगवान से पुत्र बनने का वरदान मांगा था। उसी वचन को पूरा करने के लिए निराकार ब्रह्म ने साकार रूप राम का धारण किया था। इस प्रकार यह नदी अपने ऐतिहासिक गौरव के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के मध्य गंगा के मैदानों की एक प्रमुख जीवन रेखा है। लखनऊ, सुल्तानपुर और जौनपुर जैसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासतें इसी नदी के किनारे स्थित हैं।इसके घाटों पर बने मंदिरों में कितने वेद मंत्र गुंजित हुए हैं, कितने घंटे निनादित हुए हैं, कितने ऋषियों ने घनघोर तप किया? इस सरिता के जल उनका पुण्य घुला। वस्तुतः गोमती एक नदी ही नहीं संस्कृति की संवाहिका भी है।

नदियां मानव सभ्यताओं एवं संस्कृतियों की जीवनरेखा रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने नदियों के उद्गम स्थलों को भी पर्यटन के मानचित्र पर विकसित करने का लक्ष्य बनाया है। इसी क्रम में योगी आदित्यनाथ की सरकार गोमती के उद्गम स्थल को गंगोत्री और यमुनोत्री जैसा पवित्र तीर्थ धाम बनाना चाहती है। पुराणों और हिंदू मान्यताओं के अनुसार, गोमती को महर्षि वशिष्ठ की पुत्री माना जाता है।

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जनपद की पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कलीनगर तहसील स्थित गोमती उद्गम स्थल को पर्यटन सुविधाओं से सुसज्जित कर पर्यटन एवं आस्था केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। परियोजना पर 104.81 लाख रुपए व्यय होंगे, जिसकी पहली किस्त के रूप में 78 लाख रुपए जारी किये गये हैं। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आस्था की प्रतीक गोमती नदी का उद्गम पीलीभीत जनपद के माधोटांडा ग्राम के समीप गोमत ताल (पूर्व नाम फुलहर झील) से होता है।

सनातन परंपरा में आदि गंगा के रूप में प्रतिष्ठित गोमती नदी प्रदेश के विशाल भूभाग को सिंचित करते हुए करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। पर्यटन विभाग द्वारा गोमती उद्गम स्थल को एक प्रमुख आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जाएगा। नदी आधारित पर्यटन को भी बढ़ावा देने की योजना है। परियोजना के तहत मल्टीपर्पज हाल के निर्माण पर 48.69 लाख रुपए, शौचालय ब्लाक पर 13.44 लाख रुपए तथा शेड निर्माण पर 9.45 लाख रुपए खर्च होंगे। यात्री सुविधाओं के विकास, इंटरलॉकिंग, उद्यान एवं सौंदर्यीकरण (हार्टिकल्चर), क्यूआर-बारकोड युक्त साइनेज तथा सोलर आधारित सुविधाओं का विकास किया जाएगा।कार्यदायी संस्था के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटी-डीसी) को जिम्मेदारी दी गई है। गोमती नदी लगभग 960 किलोमीटर की यात्रा के दौरान पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर और जौनपुर सहित अन्य जनपदों से होते हुए। गाजीपुर-वाराणसी के निकट गंगा में विलीन हो जाती है।दरअसल गोमती अवध को परमेश्वर से वरदान के रूप में मिली नदी है। शिवपुराण में नदी को आदेश दिया गया है कि वह मां बनकर जनता का लालन-पालन करे। गोमती, प्रतिकूल परिस्थितियों में भी माता की भूमिका निभा रही है, यह बात दीगर है कि हम लोग अपनी भूमिका भूल चुके हैं। ऋग्वेद के अष्टम और दशम मण्डल में गोमती को सदानीरा बताया गया है। शिव महापुराण में भगवान आशुतोष ने नर्मदा और गोमती नदियों को अपनी पुत्रियां स्वीकारा है। गोमती नदी ने देखा है कि किस प्रकार मर्यादा पुरुषोत्तम राम के अनुज ने लखनपुरी इसके तट पर बसायी थी। बाद में उसी को लखनऊ के नाम से जाना गया। गोमती ने यह भी देखा है कि कैसे दो बच्चों ने उनसे अपनी माता के परित्याग का प्रतिकार लिया था। किस प्रकार उसके तट पर अनेक ऋषियों ने अपने आश्रम स्थापित किये, किस प्रकार इस क्षेत्र में कथाओं का सूत्रपात हुआ किस भांति इस क्षेत्र में पौरोहित्य का विश्वविद्यालय स्थापित हुआ? श्रीकृष्ण के अग्रज बलराम ने अपने अपराध का प्रायश्चित किया। किस तरह से तथागत ने इसके तट पर विश्राम किया और धम्म पद के उपदेश दिये? कैसे एक विदेशी पर्यटक ह्वेनसांग धम्म सभा में सम्मिलित होने के लिए थेरी गाता हुआ यहां से गुजरा था। यह भी कहा जाता है। मुगल सम्राट अकबर ने यहां पर वाजिपेय यज्ञ कराने के लिए एक लाख रुपये यहां के ब्राह्मणों को दिये और गोमती का तट यजुरवेद की ऋचाओं से गूंज उठा।

राजभर ने उठाई पंचायतों के हितों की आवाज

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, बुनियादी ढांचे और मानदेय भुगतान जैसे जनहित के कार्यों को गति देने के लिए समयबद्ध गाइडलाइन जारी करने की अपेक्षा

चर्चा

तमसा संकेत, संवादादाता

लखनऊ। '16वें वित्त आयोग के अनुदान' विषय पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश के माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय संसाधनों के न्यायसंगत वितरण की महत्ता पर प्रकाश डाला. उन्होंने स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 16वें वित्त आयोग द्वारा 15वें वित्त आयोग की तुलना में लगभग दोगुनी धनराशि के आवंटन और 'स्वयं के स्रोत से आय' आधारित परफॉर्मेंस ग्रांट के प्रावधान का स्वागत किया. कार्यशाला को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पंचायतों को स्वावलंबी बनाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की. उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में देश की सर्वाधिक 57,694 ग्राम पंचायतें हैं, जो देश का लगभग 22 प्रतिशत हैं और राज्य में न्यूनतम 1000 की आबादी पर ग्राम पंचायत गठित करने का प्रावधान है. राज्य सरकार द्वारा कम आबादी वाली पंचायतों के लिए 'पंचायत प्रतिपूर्ति एवं प्रोत्साहन योजना' संचालित की जा रही है, जिसमें पंचायतों द्वारा अर्जित आय का 5 गुना प्रोत्साहन धनराशि के रूप में दिया जा रहा है. वर्तमान वित्तीय वर्ष में राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत पंचायतों को 14,997 करोड़ का भारी-भरकम बजट आवंटित किया गया है, जबकि इसके सापेक्ष केंद्रीय करों के बड़े संग्रहण के बावजूद 16वें वित्त आयोग के तहत मात्र 10,675 करोड़ का ही आवंटन प्राप्त हुआ है।

- पूर्व आयोगों की भांति 10% तकनीकी व प्रशासनिक मद को पुनः शामिल कर पंचायत सहायकों और केयरटेकर्स के हितों को सुरक्षित करने का सुझाव।
- 16वें वित्त आयोग की प्रशिक्षण कार्यशाला में माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने उठाई पंचायतों के हितों की आवाज; केंद्रीय नीति और शर्तों के व्यावहारिक सरलीकरण की मांग की

> माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने प्रशासनिक और बजटीय विसंगतियों को रेखांकित करते हुए कहा कि 16वें वित्त आयोग की टाइड और अनटाइड मदों की गाइडलाइन पंचायती राज मंत्रालय और जलशक्ति मंत्रालय से अभी तक प्राप्त नहीं हुई है. इसके साथ ही ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर तकनीकी सीमाओं के कारण पंचायतें अपने अति-आवश्यक कार्यों जैसे पेयजल व्यवस्था व मानदेय आदि का भुगतान नहीं कर पा रही हैं.

केंद्र सरकार से तत्काल सुधार की अपेक्षा

राजभर ने केंद्रीय वित्त आयोग की नीतियों और गाइडलाइंस के संबंध में कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण एवं नीतिगत व्यावहारिक विषयों की ओर ध्यानाकर्षण करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल सुधार की अपेक्षा की. उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त आयोग द्वारा 5 वर्ष की धनराशि एकमुश्त आवंटित की जाती है, जबकि केंद्रीय कर संग्रहण में प्रतिवर्ष होने वाली वृद्धि के दृष्टिगत इसका आवंटन राज्य वित्त आयोग की तर्ज पर प्रतिवर्ष बजटीय हिस्सेदारी के रूप में होना चाहिए ताकि राज्यों को अधिक लाभ मिल सके. पात्रता शर्तों पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि जहां शहरी क्षेत्रों एवं जिला पंचायतों के लिए केवल 'स्वयं के संसाधन से आय वृद्धि' की शर्त है, वहीं ग्राम पंचायतों हेतु 1200 प्रति व्यक्ति (प्रतिवार) न्यूनतम आय का कड़ा मापदंड रखा गया है।

- 16वें वित्त आयोग की कार्यशाला में माननीय मंत्री श्री ओ.पी. राजभर ने स्थानीय निकायों के सशक्तिकरण और उन्हें पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने पर दिया विशेष बल।
- उत्तर प्रदेश की 57,694 पंचायतों के व्यापक विकास हेतु परफॉर्मेंस ग्रांट की शर्तों को और अधिक व्यावहारिक व जन-अनुकूल बनाने का किया अनुरोध।

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या दबंगों ने बेरहमी से पीटा

ट्रॉमा सेंटर में तोड़ा दम परिजनों का जमकर हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

अभिषेक रावत, मृतक

मोहनलालगंज। पीजीआई थाना क्षेत्र के सरथुआ गांव में शुक्रवार शाम करीब 4 बजे पुरानी रंजिश में 23 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने उसे बेरहमी से पीटा। गंभीर हालत में परिजन उसे ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक अभिषेक रावत जगतखेड़ा में परिवार के साथ रहता था। वह शटरिंग का काम करता था। उसके परिवार में मां पुष्पा, भाई आदित्य और बिन्नी उर्फ विशाल, बहनें छवि और आकांक्षा हैं। अभिषेक के पिता का करीब तीन वर्ष पहले निधन हो चुका है।

परिजनों के अनुसार, अभिषेक का कुछ लोगों से पिछले दो-तीन वर्षों से पुरानी रंजिश चल रही थी। इसी रंजिश के चलते शुक्रवार को सरथुआ गांव में उन लोगों ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना की सूचना पर पीजीआई थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर के आधार पर जांच पड़ताल की जा रही है। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश को मुख्य वजह माना जा रहा है। अभिषेक की मौत की सूचना मिलने के बाद उसकी मां पुष्पा और अन्य परिजन ट्रॉमा सेंटर की इमरजेंसी में हंगामा करने लगे। परिजनों का आरोप था कि उनके बेटे को देखने नहीं दिया जा रहा है। उनका कहना था कि करीब दो घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उन्हें अभिषेक का शव नहीं दिखाया गया।

फास्ट न्यूज

उर्मिला-उपवन में युवक की मौत

लखनऊ। लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र स्थित उर्मिला उपवन में शुक्रवार सुबह करंट लगने से एक माली की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ। गंभीर हालत में कर्मचारियों ने उसे निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दोपहर में उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान कल्लू के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बहराइच का रहने वाला था और उर्मिला उपवन में माली का काम करता था।

टीईटी परीक्षा देने जा रही नवविवाहिता की हादसे में मौत

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी इलाके में गुरुवार सुबह 5 बजे तेज रफ्तार निजी बस ने बाइक सवार दंपती को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक से गिरी 26 साल की नवविवाहिता को बस चालक ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक बस लेकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

सैरपुर के छठा मील निवासी स्मृति पांडेय (26) अपने पति अतुल के साथ गुरुवार सुबह करीब पांच बजे बाइक से अयोध्या टीईटी परीक्षा देने जा रही थीं।

हेड कांस्टेबल के बंद मकान में 10 लाख की चोरी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में एक सीआईएसएफ हेड कांस्टेबल के बंद मकान में लाखों की चोरी हो गई। चोरों ने घर से 10 लाख रुपये से अधिक के गहने, हजारों की नकदी और सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर चुरा लिया। घटना का पता शुक्रवार सुबह चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

रेप के प्रयास का मुकदमा नहीं दर्ज कर रही पुलिस

पीड़िता का आरोप- कई घंटे पारा थाने में बैठा रखा

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। पारा थाना क्षेत्र में एक निजी अस्पताल की महिला सफाई कर्मचारी ने अस्पताल के एक कर्मी पर रेप का प्रयास और मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि घटना के बाद नौ दिन तक पुलिस ने उसका मुकदमा दर्ज नहीं किया और उस पर समझौते का दबाव बनाया गया।

उन्नाव के हसनगंज क्षेत्र की मूल निवासी 28 वर्षीय महिला अपने ई-रिक्शा चालक पति के साथ पारा क्षेत्र में किराए के मकान में रहती है। आर्थिक तंगी के कारण उसने मोहान रोड स्थित एक निजी अस्पताल में सफाई कर्मचारी के रूप में काम शुरू किया था।

पीड़िता के अनुसार, 24 जून को नौकरी के पहले ही दिन उसे अस्पताल की तीसरी मंजिल पर सफाई के लिए भेजा गया, जहां उस समय कोई मौजूद नहीं था। महिला का आरोप है कि इसी दौरान अस्पताल में प्लास्टर का काम करने वाला एक कर्मी वहां पहुंचा और उसके साथ अश्लील हरकतें करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया।

विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपी ने महिला के साथ मारपीट की। शोर सुनकर लोगों के आने की आहट पर आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़िता का आरोप है कि उसने अस्पताल प्रबंधन से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पूर्व की सरकारों में जितनी बिजली तापीय क्षेत्र से बनती थी, उससे अधिक अब हम सौर ऊर्जा से उत्पादन कर रहे:ऊर्जा मंत्री

हमारी विद्युत दरें देश में न्यूनतम विद्युत आपूर्ति देश में अधिकतम

- मा. प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन एवं मा. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर उत्तर प्रदेश - ए के शर्मा

32,673 मेगावाट आपूर्ति के साथ उत्तर प्रदेश ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

- लगातार सातवें वर्ष न्यूनतम बिजली दरों के साथ अधिकतम विद्युत आपूर्ति दे रहा उत्तर प्रदेश, ऊर्जा प्रबंधन में उत्तर प्रदेश ने रचा नया कीर्तिमान
- सौर ऊर्जा और ईवी चार्जिंग को मिलेगा बढ़ावा, सोलर आवर्स में 20% टैरिफ छूट
- हमारे तापीय संयंत्रों की कार्य क्षमता 65% से बढ़कर 85% हुई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने आज आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश की ऊर्जा क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धियों एवं सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में विद्युत दरें देश की सबसे न्यूनतम दरों में हैं, जबकि विद्युत आपूर्ति देश की सर्वाधिक एवं सबसे बेहतर श्रेणी में है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक उपभोक्ता को सस्ती, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना है।उन्होंने बताया कि लगातार सातवें वर्ष भी प्रदेश में बिजली की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई है। सभी उपभोक्ता श्रेणियों के लिए देय टैरिफ को यथावत रखा गया है। यह निर्णय सरकार की जनकल्याणकारी सोच तथा गरीबों, किसानों, घरेलू एवं अन्य उपभोक्ताओं के हितों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय तापीय विद्युत उत्पादन मात्र 5,180 मेगावाट तक सीमित था, जबकि आज प्रदेश सौर ऊर्जा से ही इससे अधिक उत्पादन कर रहा है। उन्होंने बताया कि लगभग 4,000 मेगावाट क्षमता सोलर पार्कों से तथा लगभग 2,500 मेगावाट क्षमता प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के माध्यम से विकसित की जा रही है। इसके साथ ही मिर्जापुर एवं मेजा सहित विभिन्न क्षेत्रों में तापीय विद्युत परियोजनाओं पर कार्य तेजी से चल रहा है तथा पुराने तापीय विद्युत संयंत्रों की दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार किया गया है। पहले जहां ये संयंत्र लगभग 65 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर पर संचालित होते थे, वहीं अब उनकी कार्यक्षमता बढ़कर लगभग 85 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

निर्धारित सोलर आवर्स में 20 प्रतिशत टैरिफ छूट की व्यवस्था

शर्मा ने बताया कि इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पब्लिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने तथा दिन के समय उपलब्ध सस्ती सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक निर्धारित सोलर आवर्स में 20 प्रतिशत टैरिफ छूट की व्यवस्था लागू की गई है। इससे न केवल ईवी चार्जिंग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश विद्युत आपूर्ति के क्षेत्र में प्रतिदिन अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है। प्रदेश ने 32,673 मेगावाट की अब तक की सर्वाधिक विद्युत मांग को सफलतापूर्वक पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया है।

महाकुंभ की सफलता में योगदान देने वाले सभी कर्मयोगियों को श्री ए.के. शर्मा ने दी बधाई

महाकुंभ-2025 को नवाचार हेतु मिला राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार

- महाकुंभ ने दुनिया के सामने भारत की विरासत और डिजिटल सामर्थ्य का किया अद्भुत प्रदर्शन
- स्वच्छता के बाद ई-गवर्नेंस में भी महाकुंभ ने रचा इतिहास
- मा. प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और मा. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में महाकुंभ-2025 ने स्थापित किए नए राष्ट्रीय मानक :श्री ए.के. शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

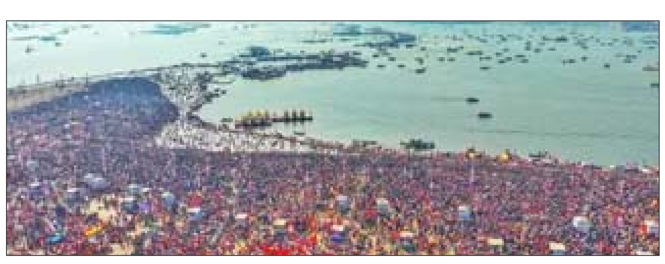

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने महाकुंभ-2025 को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उत्तर प्रदेश की उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता, आधुनिक तकनीक आधारित प्रबंधन और सुशासन की राष्ट्रीय स्तर पर हुई प्रतिष्ठा का प्रमाण है।उन्होंने कहा कि महाकुंभ-2025 अनेक मायनों में दिव्य, भव्य, अद्भुत और विलक्षण आयोजन रहा। इस आयोजन ने न केवल भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को विश्व के सामने गौरवपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया, बल्कि आधुनिक तकनीक, डिजिटल नवाचार और कुशल प्रशासन के माध्यम से विकसित भारत की नई तस्वीर भी दुनिया को दिखाई। शर्मा ने कहा कि महाकुंभ 2025 को इससे पूर्व भारत सरकार द्वारा स्वच्छता-उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और अब केंद्र सरकार द्वारा ई-गवर्नेंस के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाना इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश ने आयोजन, प्रबंधन, स्वच्छता और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नए राष्ट्रीय मानक स्थापित किए हैं।उन्होंने कहा कि जब महाकुंभ की तैयारियां प्रारंभ हुई थीं, तभी यह स्पष्ट किया गया था कि यह महाकुंभ डिजिटल होगा, आधुनिक तकनीक से संचालित होगा। आज राष्ट्रीय स्तर पर मिले इस सम्मान ने उस संकल्प पर भारत सरकार की भी मुहर लगा दी है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन तथा माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रेरणा और सतत दिशा-निर्देश को देते हुए उनके प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।उन्होंने महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा बलों, स्वच्छता कर्मियों, तकनीकी विशेषज्ञों तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े प्रत्येक कर्मयोगी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनके समर्पण, अनुशासन और अथक परिश्रम ने इस आयोजन को वैश्विक स्तर पर एक अनुकरणीय मॉडल बनाया है।

धमाके के साथ रेस्टोरेंट में लगी आग एसी का कंप्रेसर फटा

10 फीट ऊंची लपटें उठीं, पेट्रोल पंप में अवैध रूप से चल रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । खुर्रम नगर पेट्रोल पंप परिसर में संचालित पंजाबी फ्लेवर्ड फूड हब रेस्टोरेंट में शुक्रवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग की लपटें करीब 10 फीट ऊपर तक उठीं। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग एसी के कंप्रेसर में विस्फोट होने के बाद लगी।

वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि पास ही बिजली के खंभे में शॉर्ट सर्किट से आग कैंटीन में पहुंच गई। देखते ही देखते लपटों ने रेस्टोरेंट को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। एसडीआरएफ की टीम भी राहत एवं बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुंची।

दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पेट्रोल पंप परिसर में रेस्टोरेंट का अवैध रूप से संचालन हो रहा था। शुक्रवार को रेस्टोरेंट बंद था। यदि खुला होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। पेट्रोल पंप ठीक सामने जगरानी अस्पताल है। रेस्टोरेंट में आग की लपटें देखकर अस्पताल के स्टाफ ने तुरंत सबमर्सिबल से पाइप जोड़कर पानी का छिड़काव शुरू किया। इस दौरान सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंच गई। करीब 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। रेस्टोरेंट का संचालन पेट्रोल पंप के गेट पर ही किया जा रहा था। करीब 15 मीटर पर ही पेट्रोल पंप का कुआं है। अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

अमृतसर-जालंधर कैंट तथा लुधियाना रेलवे स्टेशन की रिडेवलपमेंट कार्यों का निरीक्षण

यात्री सुविधाओं एवं संरक्षा का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा आज अमृतसर–जालंधर कैंट–लुधियाना रेलखंड का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस रेलखंड के बीच निरीक्षण यान द्वारा फुटप्लेट के दौरान उन्होंने ब्लॉक सेक्शन में रेल पथ, ओ.एच.ई., रेलवे यार्ड तथा सिग्नल प्रणाली का गहन निरीक्षण किया और संरक्षा एवं परिचालन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। साथ ही, उन्होंने विभिन्न रेलवे स्टेशनों एवं संबंधित अवसंरचना का गहन निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, संरक्षा व्यवस्थाओं तथा परिचालन दक्षता की समीक्षा की।

महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने अमृतसर रेलवे स्टेशन पर रिडेवलपमेंट कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न यात्री सुविधाओं का जायजा लेते हुए कार्यों की प्रगति का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्रियों की सुविधा एवं पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक द्वारा जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन की रिडेवलपमेंट कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन के दोनों ओर नई इमारतों, विशाल कॉनकोर्स, कैफेटेरिया, पार्किंग, प्लेटफार्मों, लिफ्ट, एस्केलेटर तथा फुट-ओवर-ब्रिज जैसी विश्वस्तरीय यात्री सुविधाओं का विस्तृत अवलोकलन किया। इसके अलावा उन्होंने वेटिंग हॉल, बुकिंग कार्यालय, आरक्षण कार्यालय, सर्कुलेटिंग एरिया तथा विभिन्न यात्री सुविधाओं का जायजा लिया।

> महाप्रबंधक द्वारा लुधियाना रेलवे स्टेशन पर चल रहे रिडेवलपमेंट कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध विभिन्न यात्री सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए चल रहे कार्यों की प्रगति का विस्तृत आकलन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

दौरा : लोहिया अस्पताल रेफर, हाल जानने पहुंचे अखिलेश यादव और ब्रजेश पाठक

पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी को आया हार्ट अटैक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । वरिष्ठ सपा नेता व पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी को दिल का दौरा पड़ने पर सिविल हॉस्पिटल से दोपहर करीब 2:30 बजे डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। हार्ट डिपार्टमेंट में वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम उनका उपचार कर रही है। आज, 3 जुलाई को पार्टी कार्यालय में पूर्व अध्यक्ष राम शरण दास की जयंती मनाई जा रही थी।

इसी कार्यक्रम में सुबह 11:15 मिनट पर राजेन्द्र चौधरी मंच की ओर बढ़ रहे थे तभी लड़खड़ाकर गिर पड़े। सुरक्षा कर्मी व अन्य लोगों ने उन्हें तत्काल सिविल हॉस्पिटल पहुंचाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उन्हें हार्ट अटैक आने की आशंका जताई गई।

हार्ट अटैक की आशंका के बीच इमरजेंसी में भर्ती

राजेंद्र चौधरी की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी जांच और इलाज की। इसके बाद दोपहर में उन्हें डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि हार्ट अटैक की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी पहुंचे

सपा नेता राजेंद्र चौधरी की तबीयत बिगड़ने पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक उनसे मिलने सिविल अस्पताल पहुंचे। डिप्टी सीएम ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट के बाद राजेंद्र चौधरी को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर है। उन्होंने कहा कि प्रो. भुवन चंद्र तिवारी के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है।

सूचना मिलते ही सिविल अस्पताल पहुंचे अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र चौधरी की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शुक्रवार को सिविल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से मुलाकात कर राजेंद्र चौधरी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान अस्पताल में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का भी पहुंचना शुरू हो गया। अखिलेश यादव ने कहा, फिलहाल उनकी हालत ठीक है। डॉक्टरों ने शुरुआती उपचार शुरू कर दिया है। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। यदि डॉक्टरों की सलाह होगी, तो उन्हें बेहतर इलाज के लिए किसी दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा।

रोडवेज बस खराब होने पर खड़े थे, सड़क पर बिखरे शव, हादसे के बाद मच गई चीख-पुकार

एटा में कंटेनर ने यात्रियों को रौंदा, 5 की हुई मौत

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

एटा। यूपी के एटा में गुरुवार देर रात साढ़े 11 बजे बेकाबू कंटेनर ने रोडवेज बस के यात्रियों को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 12 लोग घायल हो गए। 40 यात्रियों से भरी बस एटा से दिल्ली जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रोडवेज बस खराब होकर सड़क किनारे खड़ी हो गई थी। कुछ यात्री गर्मी के चलते बस से उतरकर बाहर खड़े थे। तभी तेज रफ्तार कंटेनर आया और सभी को कुचलते हुए बस में पीछे से टक्कर मार दी, फिर सड़क की दूसरी ओर चला गया।

हादसा इतना जोरदार था कि शव बस के आसपास फैले हुए थे। कंटेनर लोगों को कुचलते हुए सड़क की दूसरी ओर चला गया।

यात्रियों के शव सड़क पर बिखर गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने घायलों को वीरांगना अवंतीबाई मेडिकल कॉलेज भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया। हादसा जिला मुख्यालय से 16 किलोमीटर दूर बागवाला थाना क्षेत्र में हुआ। मृतक राजेश के भाई पवन कुमार ने बताया-बस खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान पीछे से आए कंटेनर ने टक्कर मार दी। छोटा भाई परिवार की दो बच्चियों के साथ दिल्ली जा रहा था। भाई की हादसे में मौत हो गई। डीएम अरविंद सिंह ने बताया कि बस खराब होने के कारण सड़क के किनारे खड़ी थी, लेकिन उसका कुछ हिस्सा सड़क पर था। इसी दौरान पीछे से आए कंटेनर ने बस में टक्कर मार दी, जिससे बाहर खड़े यात्री उसकी चपेट में आ गए।

महिलाएं-बच्चे बस के अंदर बैठे थे, इसलिए बच गए

घायल प्रत्यक्षदर्शी अंसार ने बताया- बस खराब हो गई थी। बस का ड्राइवर पार्ट्स लेने गया हुआ था। गर्मी ज्यादा थी, इसलिए सवारियां नीचे खड़ी थीं, तभी हादसा हो गया। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बस के अंदर ही बैठे रहे, इसलिए उन्हें कुछ नहीं हुआ। हादसे की सूचना पर डीएम अरविंद सिंह और एसएसपी डॉ. इलामारन मौके पर पहुंचे और हादसे के बारे में जानकारी ली। हादसे के चलते मौके पर जाम लग गया था। पुलिस ने क्रेन से बस और कंटेनर को हटवाकर जाम खुलवाया। मरने वालों की पहचान बुलंदशहर निवासी सतेंद्र (38), फर्रुखाबाद के रहने वाले राजेश (34), सुखराम (30) और शैलेश (29) और आशीष सक्सेना (22) के रूप में हुई है।

> **हादसे में आशीष पुत्र सुरेश चंद्र की मौत हुई। वह नोएडा में फॉरेस्ट गार्ड की परीक्षा देने के लिए देर रात घर से निकले थे। हादसे की सूचना मिलने के बाद उनके परिजन शव की शिनाख्त के लिए एटा जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे।**

कंपनी से काम खत्म कर लौट रहा था घर

सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सतेंद्र शर्मा बुलंदशहर के भर्रा गांव के निवासी थे। वह एक निजी कंपनी में फायर टेस्टिंग का कार्य करते थे। उनकी शादी 2012 में हुई थी। परिवार में उनकी पत्नी, 8 वर्षीय बेटी नैना और 4 वर्षीय बेटा है। घटना के समय वह अपना काम समाप्त कर घर लौट रहे थे, तभी सड़क हादसे का शिकार हो गए।

शैलेश मृतक | राजेश मृतक | आशीष मृतक | सतेंद्र मृतक | सुखराम मृतक

इटावा में पत्नी की हत्या में पति को उम्रकैद

कोर्ट ने 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। इटावा में दहेज की अतिरिक्त मांग को लेकर पत्नी की गला दबाकर हत्या करने के 6 साल पुराने मामले में अपर सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट-प्रथम) ने आरोपी पति को दोषी करार देते हुए गुरुवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में उसे तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अपर शासकीय अधिवक्ता अजीत प्रताप सिंह तोमर ने बताया कि ग्वालियर के पिंटो पार्क स्थित शिव कॉलोनी निवासी जानकी प्रसाद ने सहसों थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया था कि उन्होंने अपनी पुत्री नेहा का विवाह 21 मई 2013 को सहसों थाना क्षेत्र के गांव गढ़ैया निवासी विजयवीर पुत्र लज्जाराम के साथ किया था।

अभियोग के अनुसार विवाह के कुछ समय बाद ही विजयवीर ने अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर वह नेहा का लगातार उत्पीड़न करता रहा। मायके पक्ष ने कई बार समझौता कराने और आरोपी को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। आरोप है कि 13 अगस्त 2020 को विजयवीर ने दहेज की मांग पूरी न होने पर पत्नी नेहा की गला दबाकर हत्या कर दी।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में फंदे से लटकी युवक की लाश मिली

गोरखपुर । गोरखपुर के चौरीचौरा थाना क्षेत्र के जंगल महादेवा गांव में देर रात एक निर्माणाधीन मकान में 24 साल के युवक का शव फंदे से लटका मिला। शव घर से करीब 200 मीटर दूर मिलने पर परिजनों और ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विश्वनाथ मंदिर के व्यवस्था को ठीक करने की उठी मांग

वाराणसी। अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद अब श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की व्यवस्था पर वकीलों ने सवाल उठाया है। बनारस बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री ने आरोप लगाया है कि मंदिर में कार्यरत कर्मचारियों के आय की जांच हो और इस जांच में ट्रस्टियों को भी शामिल किया जाए।

इसके साथ ही मंदिर में चढ़ावे की गिनती के लिए प्राइवेट नहीं, बल्कि सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति करने की मांग की है। शुक्वार को 4 बजे इसको लेकर उन्होंने वाराणसी के जिला अधिकारी को ज्ञापन दिया है।

4000 मदरसों का विदेशी कनेक्शन खंगालेगी एटीएस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से वाराणसी के मदरसों को बड़ा झटका लगा हैं। हाईकोर्ट ने मदरसों की ATS जांच के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। ऐसे में इसे नहीं रोका जा सकता। मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर यूपी के करीब 4000 संस्थानों की जांच कराई जा रही है।

कानपुर-कबरई 4/6 लेन कॉरिडोर की अंतिम स्वीकृति के पीछे निवर्तमान सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल का अथक प्रयास

तमसा संकेत, संवाददाता

बुंदेलखंड। 1 जुलाई 2026 का दिन बुंदेलखंड और विशेषकर महोबा-हमीरपुर के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल (Cabinet) ने NH-34 के कानपुर-कबरई खंड को 7,145.14 करोड़ की लागत से 4/6 लेन एक्सेस-नियंत्रित कॉरिडोर बनाने की अंतिम और पूर्ण मंजूरी दे दी है। लेकिन इस विशालकाय फाइल को दिल्ली के नौकरशाहों की मेज से निकालकर कैबिनेट की मुहर तक पहुंचाने के पीछे हमीरपुर-महोबा लोकसभा क्षेत्र के निवर्तमान सांसद कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल का वो 10 साल पुराना ऐतिहासिक संघर्ष और दूरगामी सोच है, जिसने बुंदेलखंड को मौतों के हाईवे से मुक्ति दिलाई है।

चाकू से गोदा, फिर खुद पर वार किए, मेरठ में बेडरूम से खींचकर की वारदात

पति ने की इन्फ्लुएंसर की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। यूपी के मेरठ में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा चौहान (40) की शुक्रवार सुबह 6 बजे पति ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात के बाद पति प्रदीप चौहान (42) ने खुद पर भी कई वार किए। वह बुरी तरह जख्मी हो गया। बच्चे चीखते-चिल्लाते बाहर आए। पड़ोसी अंदर पहुंचे तो फर्श पर निशा खून से लथपथ पड़ी थी। कुछ दूरी पर घायल प्रदीप भी तड़प रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने महिला इन्फ्लुएंसर को मृत घोषित कर दिया। वारदात 1170 वर्ग फीट जमीन की रजिस्ट्री की वजह से हुई है। पुलिस के मुताबिक, जमीन की रजिस्ट्री आज ही होनी थी। निशा चाहती थी कि रजिस्ट्री उसके नाम पर हो, लेकिन प्रदीप तैयार नहीं था। फॉरेंसिक टीम और अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। सबूत जुटाए। पुलिस ने बच्चों से पूछताछ की। घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। घटना सरूरपुर थाना क्षेत्र के हर्रा कस्बे की है।

निशा को रील बनाने का शौक था। इंस्टाग्राम पर 24 हजार फॉलोवर हैं।

सीओ सरधना आशुतोष सिंह ने बताया- प्रदीप का पत्नी निशा से झगड़ा हुआ था। वह निशा को बेडरूम से खींचकर बाहर हॉल में लाया। चाकू से हमला कर दिया। उसके गले पर भी वार किए। निशा खून से लथपथ होकर गिर पड़ी। इसके बाद प्रदीप ने खुद पर भी चाकू से हमला किया। बीच-बचाव के दौरान उनका एक बेटा भी घायल हुआ है। मुकदमा दर्ज कर हत्या की जांच की जा रही है। निशा चौहान की इंस्टाग्राम आईडी rajputnisha_5m नाम से है। नाम निशा राजपूत लिखा है। 24.4 हजार फॉलोवर हैं। अब तक 960 पोस्ट किए हैं। 10 लोगों को फॉलो करती थी। बायो में 'आप सबका प्यार', 'टारगेट 50 हजार', 'जय श्रीराम' और 'जय भवानी' लिखा है। यूट्यूब चैनल का लिंक भी दिया है।

यह तस्वीर निशा चौहान के पति प्रदीप की है। जो कि अस्पताल में भर्ती है।

पड़ोसी बोले- घर से चीखने-चिल्लाने की आवाजें आ रही थीं

पड़ोसियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह घर से चीखने-चिल्लाने की आवाजें आ रही थीं। निशा और प्रदीप के बीच बात को लेकर कहासुनी हो रही थी। इस बीच बच्चे भागते हुए बाहर निकले। हमें पूरी बात बताई। हम भागकर अंदर पहुंचे। फिर पुलिस बुलाई। पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटाए, सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

पुलिस के मुताबिक, मेरठ के हर्रा कस्बे में निशा चौहान पति प्रदीप, दो बेटे देव (17), शुभ (16) और बेटी एंजेल (12) के साथ रहती थीं। निशा ब्यूटी पार्लर चलाती थी। उसे राल बनाने का शौक था। इंस्टाग्राम पर निशा खुद को रील क्रिएटर, ब्यूटिशियन और एक्ट बताती थी। प्रदीप एसी टेक्नीशियन है।

पहले यही मोदी-योगी के खिलाफ थे, राम मंदिर के बड़े चोरों को बचा रही बेईमान सरकार

मंत्री राजभर के मुंह में डॉट डॉट डॉट : शिवपाल

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव शुक्रवार को 12 बजे इटावा पहुंचे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने मंत्री ओम प्रकाश राजभर को लेकर कहा- उनके मुंह में डॉट... डॉट...डॉट। ये वही राजभर हैं जो पहले हमारी पार्टी की तरफ हुआ करते थे। पीएम और सीएम को लेकर उल्टा-सीधा बोलते थे। दरअसल, ओपी राजभर ने सपा को यादववादी पार्टी बताते हुए ट्वीट किया था। शिवपाल ने बसरेहर की ग्राम पंचायत अभिनयपुर पाठकपुर में मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर कहा कि सरकार बेईमान है। बड़े चोरों को बचा रही है। बिजली की दरें न बढ़ाने वाले ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के बयान को लेकर शिवपाल ने कहा- वो बहुत झूठ बोलते हैं। अभी 10% इन्होंने बढ़ाया था, अब यह जान गए कि जनता इनके खिलाफ हो गई है। अभी अगर बिजली के दाम नहीं भी बढ़ाते हैं, तब भी बहुत महंगी बिजली है। इस सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। इन लोगों ने टंकियां बनाई क्या उनमें पानी आ रहा है। टंकियां पानी नहीं दे रही हैं। इटवा से बेवर वाली सड़क अधूरी पड़ी है। खराब सड़कों पर टोल टैक्स वसूलने का काम ये भाजपा की सरकार कर रही है।

> **शिवपाल ने कहा- सरकार राम मंदिर में चोरी के आरोपियों के यहां बुलडोजर चलवाने की बात कह रही है। यह सिर्फ दिखावा किया जा रहा है। कायदे से तो पहले बड़े चोरों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उसके बाद छोटे चोरों पर एक्शन होना चाहिए।**

शिवपाल यादव को एक सपा नेता ने मंच पर किताब भेंट की।

2027 चुनाव में चोरों को बचाने वालों को हटाएं

शिवपाल ने कहा- भगवान राम के मंदिर में चोरी की घटना पर छोटे-छोटे लोग पकड़े गए। उनको जेल भेजा गया। बड़े लोगों को बचाया जा रहा। बड़े लोगों को भी जेल भेजा जाए। भगवान राम के मंदिर में चोरी करने वालों को सरकार बचा रही है। मेरी जनता से अपील है कि आने वाले चुनाव में इन चोरों और चोरों को बचाने वाले लोगों को भी हटाया जाए।

5 स्कूली वाहनों का चालान तीन सीज मिशन सेफ फ्यूचर अभियान

कई स्कूलों को दस्तावेज अवैध मिलने पर चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई । हरदोई में स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान के तहत कार्रवाई की है। शुक्रवार दोपहर 3 बजे चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान में पांच स्कूली वाहनों का चालान किया गया और तीन वाहनों को सीज कर दिया गया।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देश पर 1 से 15 जुलाई तक प्रदेशव्यापी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में परिवहन विभाग की प्रशासन और प्रवर्तन शाखा मिलकर स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र और अन्य सुरक्षा मानकों की जांच कर रही हैं।

जांच के दौरान शाहाबाद के दक्ष इंटरनेशनल स्कूल के 13, खेतुई लखनऊ रोड स्थित जय विद्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के 12 और नानकगंज ग्रांट स्थित न्यू हाइट्स स्कूल के 11 वाहनों के दस्तावेज वैध नहीं मिले। विभाग ने इन विद्यालयों को जल्द से जल्द सभी दस्तावेजों का नवीनीकरण कराने का निर्देश दिया है। परिवहन विभाग ने जिले के सभी स्कूल वाहन मालिकों और विद्यालय प्रबंधनों से अपील की है। विभाग ने कहा है कि जिन वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा या प्रदूषण प्रमाणपत्र की वैधता समाप्त हो चुकी है, उनका तत्काल नवीनीकरण कराया जाए। विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बिना वैध दस्तावेजों वाले वाहनों का संचालन न किया जाए।

विभाग ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल स्कूल के स्वामित्व वाले वाहनों तक सीमित नहीं रहेगी। निजी क्षेत्र के वे वाहन भी कार्रवाई के दायरे में होंगे जो नियमों का उल्लंघन कर स्कूली बच्चों का परिवहन कर रहे हैं। प्रशासन ने सभी विद्यालय संचालकों से विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'देशभर की आस्था ...

कांग्रेस नेता ने कहा, 'मैंने 1 लाख 11 हजार रुपये दान किए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि यह राशि ट्रस्ट में जमा कराई जाए. हमने खुद पैसा जमा किया और उसकी रसीद भी ली. मैंने यह दान भगवान राम में आस्था और भव्य मंदिर निर्माण की भावना से दिया था, लेकिन अब सामने आ रही शिकायतें बेहद चिंताजनक हैं.'

अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान (नकदी, सोना-चांदी, आभूषण इत्यादि) के गबन का मामला 7 जून को सामने आया था. आरोप है कि चढ़ावे का प्रबंधन करने वाले राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों और बैंक से जुड़े कुछ लोगों की मिलीभगत से गड़बड़ी की गई. यूपी सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की. इस मामले में अब तक 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई है. वहीं राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा का इस्तीफा हुआ है.

यह हमारी आस्था ...

इसमें बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की भी भूमिका सामने आई है. यह हमारी आस्था और भगवान राम के प्रति श्रद्धा पर गहरी चोट है.' दिग्विजय सिंह ने दोहराया कि वह अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे और अपने दान की राशि वापस मांगेंगे.

'खत्म हो भ्रम और ...

अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) ने प्रतिक्रिया जारी की है। उसने चोरी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि इससे राम भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची है और हम सभी लोग इससे आहत हैं। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर सजा होनी जरूरी है। आरएसएस ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे हम सभी बहुत दुखी हैं और आक्रोशित हैं।

RSS के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा, ''राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष और करोड़ों रामभक्तों के समर्पण, त्याग एवं बलिदान के कारण संपूर्ण हिन्दू समाज के लिए श्रद्धा, आस्था और भक्ति का केन्द्र बना है। अयोध्या में श्री रामलला मंदिर में रखे हुए दान पात्रों में जमा राशि की चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से समूचे समाज और राम भक्तों की भावना एवं श्रद्धा को आघात पहुंचा है तथा इस घटना से हम सभी आहत हैं।

टीएमसी मुख्यालय ...

ऋतब्रत बनर्जी वरिष्ठ नेताओं और पार्टी के कोषाध्यक्ष के साथ TMC कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने बैठक की और दावा किया कि वही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। उन्होंने कहा कि अब से पार्टी का सारा काम इसी कार्यालय से चलेगा। एक दिन पहले ही बागी गुट ने चुनाव आयोग के सामने TMC के नाम, चुनाव चिह्न और संगठन पर अपना दावा पेश किया था।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद 3 जून को TMC के 80 में से 58 विधायक ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हो गए थे। 22 जून को हुई प्रतिनिधि बैठक में नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया था। ममता बनर्जी समर्थक गुट के वरिष्ठ नेता कुनाल घोष कार्यालय पहुंचे, लेकिन गेट पर ताला लगे होने के कारण अंदर नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग ये दावा कर रहे हैं, वे निर्दलीय चुनाव जीतकर नहीं आए थे। कार्यालय पर कब्जा राज्य प्रशासन और पुलिस की सहमति से किया गया है।

जैश के 8 आतंकी ...

जैश का मुख्यालय पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बहावलपुर में है। ये संगठन पाकिस्तान के कई इलाकों में ट्रेनिंग कैम्प और आतंकी नेटवर्क संचालित करता है।

इसके मुखिया आतंकी मसूद अजहर को साल 1994 में जम्मू-कश्मीर में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, दिसंबर 1999 में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट IC-814 के अपहरण के बाद बंधकों की रिहाई के बदले भारत सरकार ने उसे रिहा कर दिया था।

पांच महाद्वीपों के लोग ...

उन्होंने कहा कि समाज में धीरे-धीरे संघ की स्वीकार्यता और सम्मान बढ़ रहा है। शुरुआती वर्षों में संगठन को जिस तरह की उपेक्षा और बेरुखी का सामना करना पड़ा था, वह अब काफी हद तक समाप्त हो रही है।

RSS प्रमुख ने कहा कि संघ की पहली प्राथमिकता ऐसे लोगों को तैयार करना है, जो समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में सेवा का काम कर सकें। उन्होंने उस धारणा को भी खारिज किया कि RSS विभिन्न संगठनों को दूर से नियंत्रित करता है।

उन्होंने कहा कि संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार ने अलग-अलग क्षेत्रों में काम करते हुए महसूस किया था कि सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित और प्रशिक्षित लोगों की आवश्यकता होती है।

भागवत ने RSS शाखा को संगठन के जीवन जीने के तरीके की ₹प्रयोगशाला₹ बताया। उन्होंने कहा कि शाखा में स्वयंसेवक हर परिस्थिति में अनुशासन, सेवा और संगठन के मूल्यों के साथ जीवन जीना सीखते हैं।

सर्वश्रेष्ठ आम मूल्य ...

हमें ब्रांडिंग, प्रोसेसिंग, पैकेजिग, प्रोडक्ट की ट्रेसेबिलिटी व आर्गेनिक सर्टिफिकेशन पर भी ध्यान देना होगा। तभी यह निर्यात के लिए स्वीकार्य होगा। वैल्यू एडिशन में उत्पाद का पेस्टिसाइड व केमिकल फ्री होना भी शामिल है, तभी वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पौध का उत्पादन, शोध, एआई तकनीक आधारित खेती को बढ़ाया जाएगा। क्वालिटी टेस्टिंग, कोल्ड चेन, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, ई-कामर्स व ग्लोबल एक्सपोर्ट की पूरी व्यवस्था को इंटीग्रेट किया जाएगा। उन्होंने मैंगो टूरिज्म की संभावनाओं पर भी काम करने की बात कही।

आम की अधिक से ...

उद्यान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि आम की गुणवत्ता सुधारने के लिए पेपर बैग तकनीक, निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड का गठन, हाई-टेक नर्सरी की स्थापना और कमल की खेती को बढ़ावा दिया गया है। भारत में आम और शहद में प्रदेश सर्वाधिक उपज देता है।

शहद की ब्रांडिंग 'काशी शहद' के नाम से की गई है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में हाईटेक नर्सरी में पौध उत्पादन 74 लाख से बढ़कर 29 करोड़ हो गया है। इससे पहले वाहन को हरी झंडी दिखाकर यूपी के आम को निर्यात के लिए रवाना किया और आम महोत्सव-2026 की स्मारिका का विमोचन किया।

ईरान में खामेनेई का ...

ईरान ने कहा है कि फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु साइट्स पर IAEA के निरीक्षकों को एंट्री नहीं मिलेगी।

तेहरान की सभी मुख्य सड़कों, चौराहों और सरकारी इमारतों के बाहर सेना और पुलिस बल तैनात है। मेन रोड्स पर मिलिट्री गाड़ियां पहरा दे रही हैं।

अंतिम संस्कार के रूट वाले शहरों (तेहरान, कोम और मशहद) के ऊपर हवाई क्षेत्र को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

राजा मर्डर-सोनम...

सोनम ने 4 साथियों के साथ मिलकर पति राजा रघुवंशी की हत्या की, फिर शव को खाई में फेंक दिया था। घटना के बाद वह भाग निकली, बाद में उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार की गई।

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कोर्ट के सामने कहा- गिरफ्तारी से जुड़े दस्तावेजों में हत्या से संबंधित भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1) की जगह गलती से धारा 403(1) लिख दी गई थी। यह टाइपो एरर है। हाईकोर्ट ने इसी आधार पर जमानत दी है। मजिस्ट्रेट ने आरोपी को गिरफ्तारी के आधार समझाए थे। ट्रांजिट रिमांड देते समय भी इसका रिकॉर्ड मौजूद है।

इंग्लैंड विमेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में

साउथ अफ्रीका को 40 रन से हराया, ब्रंट और नाइट के बीच 133 रन की साझेदारी

प्रवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुरुवार रात को सेमीफाइनल मैच में साउथ अफ्रीका को 40 रन से हराया। अब रविवार को लॉर्ड्स के मैदान पर खिताब के लिए इंग्लैंड का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। ओवल मैदान पर इंग्लैंड ने 23 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे और मुश्किल में थी। यहां से नेट साइवर-ब्रंट और हीथर नाइट की जोड़ी ने चौथे विकेट के लिए 90 गेंदों पर 133 रनों की पार्टनरशिप की। इस साझेदारी के दम पर टीम ने 5 विकेट पर 169 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में साउथ अफ्रीका 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 129 रन ही बना सकी। कप्तान ब्रंट प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

नेट साइवर-ब्रंट और हीथर नाइट के बीच चौथे विकेट के लिए 90 गेंदों पर 133 रन की साझेदारी हुई।

काफ इंजरी के कारण पिछले तीन मैच न खेल पाने वाली नेट साइवर-ब्रंट ने इस मैच में सोफिया डंकली की जगह ली। उन्होंने आते ही साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों पर काउंटर-अटैक शुरू कर दिया। उन्होंने मैदान के चारों तरफ शॉट खेले। साइवर-ब्रंट ने अपनी 47 गेंदों की पारी में 11 चौके और 1 छक्का लगाते हुए 75 रन बनाए। रनिंग में उनकी चोट का कोई असर नहीं दिखा। दूसरी छोर से हीथर नाइट ने उनका पूरा साथ दिया। नाइट ने अयाबोंगा खाका की गेंद पर सिक्स लगाकर अपनी हाफ-सेंचुरी पूरी की। नाइट ने 47 गेंदों पर 58 रनों की पारी खेली। हालांकि म्लाबा

> 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका को कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट से बड़ी पारी की उम्मीद थी। वह अच्छी लय में दिख रही थीं, लेकिन छठे ओवर में सोफी एक्लेस्टोन ने मिड-ऑन पर उनका शानदार कैच लपककर टीम को बड़ा झटका दिया। इसके बाद एक्लेस्टोन ने शॉर्ट फाइन लेग पर सुने लूस का भी मुश्किल कैच पकड़ा।

टी-20 वर्ल्ड कप में 50 विकेट लेने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं

साउथ अफ्रीका की शबनीम इस्माइल ने मैच की पहली ही गेंद पर इंग्लैंड की ओपनर एमी जोन्स को आउट कर इतिहास रच दिया। वह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 50 विकेट लेने वाली दुनिया की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इस्माइल ने अपने दूसरे ओवर में एलिस कैपसी को भी LBW आउट कर इंग्लैंड को तीसरा विकेट दिया।

इंग्लैंड पावरप्ले में 16 रन ही बना सका

टॉस हारकर बैटिंग कर रही इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। टीम पावरप्ले में महज 16 रन ही बना सकी। इतना ही नहीं, एक विकेट भी गंवा दिया। यह मौजूदा वर्ल्ड कप में पावरप्ले में इंग्लैंड का सबसे छोटा स्कोर है।

साउथ अफ्रीका की तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल और मरिजाने कैप ने सटीक गेंदबाजी की। कैप ने अपनी कसी हुई गेंदबाजी से 4 ओवर में सिर्फ 16 रन देकर 1 विकेट लिया। इस्माइल ने 31 रन देकर 2 विकेट चटकाए।

ने दोनों को तीन गेंदों के अंदर आउट कर दिया, लेकिन तब तक इंग्लैंड मजबूत स्कोर खड़ा कर चुका था। साउथ अफ्रीका को जीत के लिए टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा चेज (170 रन) करना था।

बारिश की जगह अब गर्मी से रोके जा रहे खेल

लंदन, एजेंसी

एक समय था जब इंग्लैंड के मैदानों पर मैच शुरू होने से पहले सबसे ज्यादा नजरें आसमान पर होती थीं। बादल घिरते ही खिलाड़ियों से लेकर दर्शकों तक की चिंता बढ़ जाती थी कि कहीं बारिश खेल न रोक दे। लेकिन अब आसमान साफ है, सूरज तेज है और खेल फिर भी मुश्किल में है। खिलाड़ी पसीने से भीगते हुए मैदान पर दौड़ रहे हैं, दर्शक छाते और पंखों के सहारे स्टैंड में टिके हैं, बच्चे मैच छोड़कर 'कूल रूम' में राहत तलाश रहे हैं और आयोजक हर कुछ कदम पर पानी और छांव का इंतजाम कर रहे हैं। वजह बारिश नहीं, बल्कि लगातार बढ़ती गर्मी है।

जलवायु परिवर्तन ने खेलों की दुनिया में भी नया दौर शुरू कर दिया है। मैदानों पर अब सबसे बड़ा सवाल यह नहीं रह गया कि बारिश कब होगी, बल्कि यह है कि गर्मी कितनी बढ़ेगी। कभी स्कोरबोर्ड पर 'रेन स्टॉप्ड प्ले' लिखा जाता था। अब कई जगह 'हीट स्टॉप्ड प्ले' जैसी स्थिति बन रही है।

ब्रिटेन की भीषण गर्मी विम्बलडन और महिला टी20 वर्ल्ड कप पर डाल रही असर

ब्रिटेन में इस हफ्ते रिकॉर्ड गर्मी के बीच टेनिस, क्रिकेट और फुटबॉल के मुकाबले हुए। ईस्टबोर्न टेनिस और विम्बलडन क्वालिफायर में खिलाड़ी हर बदलाव के दौरान पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स लेते रहे। दर्शक तौलिया गर्दन पर रखकर, छाते खोलकर और पंखे झलते हुए मुकाबले देखते रहे।

भारतीय बैडमिंटन में नया स्कोरिंग सिस्टम लागू होगा

21 की जगह 15 अंक का होगा गेम, एर्नाकुलम सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट से होगी शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन में जुलाई 2026 से नया स्कोरिंग सिस्टम लागू हो जाएगा। इसके तहत गेम 21 की जगह 15 पॉइंट्स के होंगे। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BAI) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। नए नियमों का पहला इस्तेमाल 7 से 14 जुलाई तक एर्नाकुलम के रीजनल स्पोर्ट्स सेंटर में होने वाले ऑल इंडिया सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट में किया जाएगा।

इसके बाद यह फॉर्मेट सभी जोनल चैंपियनशिप, घरेलू रैंकिंग टूर्नामेंट और नेशनल चैंपियनशिप में लागू होगा। इसमें अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17, अंडर-19, सीनियर और मास्टर्स सभी एज ग्रुप शामिल होंगे।

नए फॉर्मेट में मैच पहले की तरह बेस्ट ऑफ-3 गेम ही होंगे, लेकिन अब हर गेम 21 की जगह 15 अंक का होगा। 14-14 की बराबरी होने पर 2 अंकों की बढ़त जरूरी होगी। अगर स्कोर 20-20 तक पहुंचता है तो अगला अंक जीतने वाला खिलाड़ी गेम अपने नाम करेगा। यानी हर गेम की अधिकतम सीमा 21 अंक होगी। अब मिड-गेम ब्रेक 11 अंक की बजाय 8 अंक पर मिलेगा और यह 60 सेकेंड का होगा। तीसरे गेम में खिलाड़ी 8 अंक पर कोर्ट बदलेंगे। गेम के बीच मिलने वाला 120 सेकेंड का ब्रेक पहले की तरह जारी रहेगा और पिछले गेम का विजेता ही अगले गेम में पहली सर्विस करेगा।

आर्थर फेरी अकेले ब्रिटिश खिलाड़ी बचे

डिफेंडिंग चैंपियन स्वियातेक और रायबाकिना विंबलडन के तीसरे दौर में

लंदन, एजेंसी

डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक और वर्ल्ड नंबर-2 एलीना रायबाकिना ने लंदन में खेली जा रही विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के तीसरे दौर में जगह बना ली है। लेडीज सिंगल्स कैटेगरी में पोलैंड की स्टार इगा ने कैरोलिना प्लिस्कोवा को 69 मिनट में सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हराया। जबकि, कजाकिस्तान की रायबाकिना ने अमेरिका की कैटी मैकनेली को महज 71 मिनट में 6-1, 6-2 से शिकस्त दी।

मेंस सिंगल्स कैटेगरी में आर्थर फेरी ने फिनलैंड के ओटो विर्तानेन को 5-7, 7-6, 6-3, 6-3 से हराया। वे राउंड-3 में ब्रिटिश के इकलौते खिलाड़ी हैं। शेष शुरुआती राउंड से ही बाहर हो गए हैं। इस कैटेगरी के अन्य मुकाबलों में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने चेक रिपब्लिक के जाकुब मेन्सिक को 4 सेटों के कड़े मुकाबले में मात दी। जहां उनका सामना इटली के माटेओ बेरेटिनी से होगा। मैच के बाद स्वियातेक ने कहा, 'आज मैं काफी स्थिर महसूस कर रही थी। पहला दौर बहुत इमोशनल था, लेकिन आज ऐसा लगा जैसे यह ऑफिस का कोई आम दिन हो, जहां मुझे सही फैसले लेने थे। मैं अपने इस प्रदर्शन और फोकस से बेहद खुश हूं।' 35 साल के ग्रिगोर दिमित्रोव ने 15वीं वरीयता प्राप्त जाकुब मेन्सिक को 7-6, 4-6, 7-5, 6-3 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली। मैच के दौरान बारिश की वजह से कोर्ट की छत बंद करनी पड़ी।

इगा स्वियातेक ने पूर्व फाइनलिस्ट कैरोलिना प्लिस्कोवा को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से हरा दिया।

आर्थर फेरी ब्रिटेन की आखिरी उम्मीद

23 साल के आर्थर इस चैंपियनशिप में ब्रिटेन की आखिरी उम्मीद हैं। उनका जन्म पेरिस में फ्रांसीसी माता-पिता के घर हुआ था, लेकिन जब वे बहुत छोटे थे, तभी उनका परिवार विंबलडन में आकर बस गया था। फेरी ने बचपन में करीब 10 साल की उम्र तक फ्रांस का प्रतिनिधित्व किया था, लेकिन इसके बाद वे ब्रिटेन के टेनिस सिस्टम में शामिल हो गए। कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से साइंस और टेक्नोलॉजी की पढ़ाई करने वाले फेरी अब पूरी तरह ब्रिटिश बन चुके हैं। फेरी ने अपनी इस कामयाबी पर कहा- 'मैं इसी विंबलडन टूर्नामेंट को देखते हुए बड़ा हुआ हूं। बचपन में खिलाड़ियों की नकल करता था और आज यहां मैच जीत रहा हूं, यह अहसास अद्भुत है। अब मैं खुद को दिल से पूरी तरह ब्रिटिश महसूस करता हूं।' फेरी की मां ओलिविया खुद फ्रांस की पूर्व फेड कप खिलाड़ी रही हैं और पिता लोइक फ्रांस के फुटबॉल क्लब लोरिएंट के मालिक हैं।

रायबाकिना का मैच मर्टेंस से होगा

कजाकिस्तान की 2022 विंबलडन चैंपियन एलीना रायबाकिना ने सेंटर कोर्ट पर अमेरिका की कैटी मैकनेली को महज 71 मिनट में शिकस्त दी। उन्हें पहले राउंड के मैच में फ्रांस की लोइस बोइसन के खिलाफ 3 सेट संघर्ष करना पड़ा था। लेकिन उन्होंने दूसरे दौर में कोई गलती नहीं की। अब तीसरे दौर में उनका सामना बेल्जियम की एलिस मर्टेंस से होगा।

मनोरंजन

बॉक्स ऑफिस पर अल्फा की होगी हुकूमत !

पहले दिन आलिया भट्ट की स्पाई थ्रिलर कर सकती है इतने करोड़ का कलेक्शन

> जिगरा के बाद आलिया भट्ट पहली बार स्पाई एजेंट बनकर ऐल्फा से धमाल मचाने बड़े पर्दे पर लौटी हैं। पहले दिन आलिया की स्पाई एक्शन थ्रिलर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा पाएगी या नहीं, चलिए आपको ऐल्फा के प्रीडक्शन कलेक्शन के बारे में बताते हैं।

नई दिल्ली। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के बाद आलिया भट्ट एक्शन फिल्मों में ज्यादा दम-खम दिखा रही हैं। पहले हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन, फिर जिगरा और अब एक्शन थ्रिलर ऐल्फा । हार्ट ऑफ स्टोन तो सीधे ओटीटी पर आई, लेकिन जिगरा में एक्ट्रेस का एक्शन देखने दर्शक थिएटर नहीं पहुंचे। रिलीज के महज 2 दिन पहले ही ऐल्फा की एडवांस बुकिंग (Alpha Advance Booking) की टिकट विंडो खुली। मात्र 2 घंटे में ही फिल्म की एडवांस में टिकटें बिक गईं और कमाई करोड़ों में पहुंच गई। दूसरे दिन भी एडवांस कलेक्शन धांसू रहा। अब दो दिन को मिलाकर फिल्म पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर जिगरा से ज्यादा कमा सकती है। इस लिहाज से फिल्म ने देश भर में पहले ही 3.06 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है, जबकि ब्लॉक सीट्स के साथ फिल्म का बिजनेस 5.39 करोड़ रुपये हो गया है। बात करें पहले दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की भविष्यवाणी की तो उम्मीद है कि ऐल्फा 6 से 8 करोड़ रुपये के बीच खाता खोल सकती है। 2024 में रिलीज हुई आलिया की एक्शन थ्रिलर जिगरा ने करीब 4.55 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर खाता खोला था, जबकि 2023 में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का फर्स्ट डे कलेक्शन 11 करोड़ के करीब था। अब देखना होगा कि आलिया की ऐल्फा, वेलकम टू द जंगल को पछाड़कर बॉक्स ऑफिस पर कितना कारोबार कर पाती है।

ऐल्फा की एडवांस कमाई

1 जुलाई को शुरू हुई ऐल्फा की एडवांस बुकिंग में अब तक 89786 की टिकटें बिक चुकी हैं। 8 हजार से ऊपर मिले शोज में फिल्म ने हजारों की टिकट्स बिकीं और कमाई भी अच्छी रही है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म की पूरे देश में 2D, डॉल्बी सिने और ICE को मिलाकर 89786 के करीब की टिकटें बिक चुकी हैं।

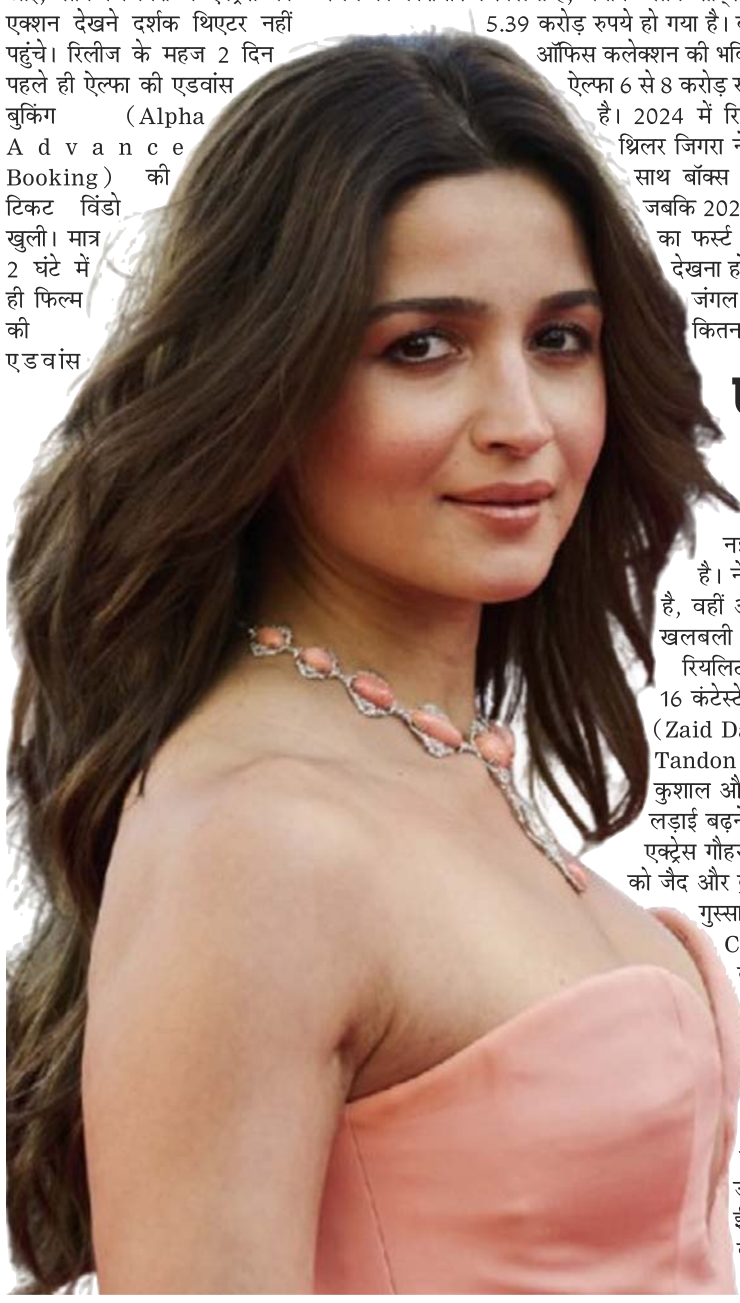

आमिर खान ने तीसरी शादी को कन्फर्म किया

तमसा संकेत, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान ने गुरुवार को पब्लिकली कन्फर्म किया कि वो तीसरी शादी करेंगे। आमिर 5 जुलाई को गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से शादी करेंगे। उन्होंने यह बात मुंबई के एक इवेंट के दौरान मीडिया से बातचीत में कही। आमिर ने बताया कि शादी बहुत ही प्राइवेट होगी। यह शादी उनके घर पर होगी। इसमें सिर्फ दोनों परिवारों के लोग और कुछ करीबी दोस्त शामिल होंगे। उन्होंने सभी से आशीर्वाद और शुभकामनाएं भी मांगीं। इस मौके पर उनके बेटे जुनैद खान भी साथ मौजूद थे। आमिर ने पहली शादी साल 1986 में फिल्म प्रोड्यूसर रीना दत्ता से की थी। साल 2002 में रीना से अलग होने के बाद आमिर ने साल 2005 में डायरेक्टर किरण राव से दूसरी शादी की। साल 2021 में किरण और आमिर का तलाक हो गया। आमिर ने साल 2025 में अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी के साथ अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया था। गौरी बेंगलुरु की रहने वाली एक सैलून एंटरप्रेन्योर और फैशन प्रोफेशनल हैं। उनके पिता तमिल-ब्रिटिश मूल के और मां पंजाबी-आयरिश मूल की हैं। गौरी 1920 के दशक में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ब्रिटिश कम्युनिस्ट फिलिप स्प्रैट की पोती हैं।

आमिर की तरह गौरी भी पहले शादीशुदा रही हैं और उनका एक 7 साल का बच्चा है।

पति और एक्स बॉयफ्रेंड के बीच कराई लड़ाई

नई दिल्ली। इस वक्त ओटीटी पर रियलिटी शोज की बहार है। नेटफ्लिक्स पर जहां लॉक अप सीजन 2 सुर्खियां बटोर रहा है, वहीं अमेजन प्राइम वीडियो पर रियलिटी शो अलायंस में खलबली मची है।

रियलिटी शो अलायंस (Alliance Contestants) में जोड़ियों में 16 कंटेस्टेंट्स की एंट्री हुई है जिनमें गौहर खान के पति जैद दरबार (Zaid Darbar) और एक्स ब्वॉयफ्रेंड कुशाल टंडन (Kushal Tandon) भी शामिल हैं। शो के शुरू होते ही सबसे ज्यादा ध्यान कुशाल और जैद की बॉन्डिंग ने खींचा। अब गौहर खान ने उनके बीच लड़ाई बढ़ने पर अपना रिएक्शन दिया है।

एक्ट्रेस गौहर खान (Gauahar Khan) ने अलायंस के एक कंटेस्टेंट को जैद और कुशाल के बीच अनबन की वजह बताई है और उन पर गुस्सा निकाला है। यह कंटेस्टेंट हैं निखिल चिनप्पा (Nikhil Chinapa)। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर करते हुए निखिल की क्लास लगाई और कहा-

मुझे माफ करना, निखिल चिनप्पा। मैं आपकी बहुत इज्जत करती हूं क्योंकि आप मुझे सच में पसंद हैं और आपके पास बहुत अनुभव है लेकिन असल में आप ही हैं जो सबके साथ खेल रहे हैं।

पति के गेम की तारीफ करते हुए उन्होंने जैद के इंटेंशन पर सवाल उठाने के लिए निखिल को खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने कहा, ₹कभी यह मत कहना कि जैद 100 प्रतिशत ईमानदार नहीं हैं, क्योंकि वह बिल्कुल क्लियर हैं और जो भी कहते हैं, मुंह पर कहते हैं। वह इस तरह की पॉलिटिकल झमेलेबाजी में नहीं पड़ रहे हैं।

कहा- कस्टडी में हूं, बिना कोर्ट ऑर्डर के पेश नहीं हो सकता, तिहाड़ में है अनमोल

सलमान के घर फायरिंग लॉरेंस के भाई की सरेंडर की अर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी

अनमोल बिश्नोई ने 2024 के सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले में मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट में सरेंडर करने की अर्जी दाखिल की है। उसने कहा है कि वह निष्पक्ष ट्रायल और कानूनी प्रक्रिया में शामिल होने के लिए अपनी मर्जी से सरेंडर करना चाहता है। अनमोल, लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई है। उसे पिछले साल नवंबर में अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था, जिसके बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने उसे गिरफ्तार किया। फिलहाल वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। सलमान के बांद्रा स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग समेत कई मामलों में उसकी तलाश थी। न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार, स्पेशल MCOCA कोर्ट में दाखिल अर्जी में अनमोल ने कहा कि वह पहले से ही एक दूसरे केस में कानूनी कस्टडी में है। इसलिए अदालत के आदेश के बिना पेश नहीं हो सकता। उसने अदालत से तिहाड़ जेल के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी करने की मांग की, ताकि उसे कोर्ट में पेश किया जा सके और इस केस में रिमांड की प्रक्रिया पूरी की जा सके। चूंकि अनमोल तिहाड़ जेल में है, इसलिए वह खुद चलकर मुंबई कोर्ट नहीं जा सकता। इसके लिए कोर्ट प्रोडक्शन वारंट जारी करता है। यह एक जेल से दूसरी जेल या कोर्ट को भेजा जाने वाला आदेश होता है। इसका मतलब है, 'इस कैदी को इस तारीख पर हमारे सामने पेश किया जाए।' 14 अप्रैल 2024 की सुबह सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर बाइक सवार हमलावरों ने फायरिंग की थी। जांच के दौरान उनकी

> अनमोल ने अपनी पिटीशन में कहा कि कोर्ट में उसके पेश होने से प्रॉसिक्यूशन को कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि इससे ट्रायल और लीगल प्रोसेस में तेजी आएगी और लीगल प्रोसेस का गलत इस्तेमाल रुकेगा। अर्जी में कहा गया कि इस मामले में ट्रायल शुरू हो चुका है और उसकी अनुपस्थिति में तीन गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

अनमोल सरेंडर क्यों करना चाहता है, जबकि पहले से जेल में है?

अनमोल अभी दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। वह NIA के एक अलग मामले में गिरफ्तार हुआ था। सलमान के घर के बाहर हुई फायरिंग का केस मुंबई पुलिस का एक अलग मामला है, जिसमें वह अब तक केवल वॉन्टेड है। जब तक कोई आरोपी किसी विशिष्ट केस में कोर्ट के सामने पेश नहीं होता, तब तक उस केस में उसकी औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज नहीं होती।

बातचीत में शामिल अराघची और गालिबाफ की हत्या कर सकता था इजराइल

रिपोर्ट : अमेरिका ने दी ईरान को इजराइली साजिश की चेतावनी

दावा

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका-ईरान के बीच अप्रैल में शुरू हुई बातचीत के दौरान अमेरिका को डर था कि इजराइल, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ को निशाना बना सकता है। इसी वजह से अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट के कुछ सहयोगी देशों के जरिए तेहरान को सतर्क रहने का संदेश भिजवाया।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका को डर था कि अगर दोनों वार्ताकारों की हत्या हुई तो युद्धविराम और शांति प्रक्रिया टूट जाएगी। उस समय ट्रम्प प्रशासन होर्मुज स्ट्रेट खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौते की कोशिश कर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में होने वाली एक बैठक से पहले भी ईरान को हमले का खतरा था। इसी कारण पाकिस्तान ने ईरानी प्रतिनिधिमंडल के विमान को फाइटर जेट की सुरक्षा में इस्लामाबाद तक पहुंचाया। लौटते समय भी सुरक्षा अलर्ट मिलने पर विमान की मशहद में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई और डेलिगेशन सड़क के जरिए तेहरान पहुंचा।

■ ईरानी संसद अध्यक्ष गालिबाफ (बाएं) और विदेश मंत्री अराघची (दाएं) अमेरिका के साथ हो रही बातचीत में ईरान की तरफ से शामिल रहे हैं।

ईरान ने इजराइल पर सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को धमकी देने का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र में शिकायत दर्ज कराई।

ईरान ने खामेनेई के अंतिम संस्कार से पहले सेना की तैनाती बढ़ी। कार्यक्रम में 30 देशों के प्रतिनिधि और करीब 2 करोड़ लोग शामिल होंगे।

खामेनेई का अंतिम संस्कार 4 से 9 जुलाई तक चलेगा। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, यह देश के इतिहास के सबसे बड़े राजकीय अंतिम संस्कारों में शामिल होगा।

समारोह में 1.5 से 2 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान है। इसे देखते हुए पूरे देश में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। अंतिम संस्कार में 30 से ज्यादा देशों के नेता और प्रतिनिधि, जबकि 90 देशों के धार्मिक प्रतिनिधि

लेबनान के 1 लाख बच्चों की पढ़ाई पर संकट

संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि लेबनान में 1 लाख से ज्यादा बच्चे इस साल स्कूल नहीं जा पाएंगे, अगर हालिया संघर्ष में क्षतिग्रस्त हुए स्कूलों की जल्द मरम्मत नहीं की गई। जून में लेबनान के शिक्षा मंत्रालय और यूनिसेफ की संयुक्त समीक्षा में पाया गया कि इजराइल-हिजबुल्लाह संघर्ष के दौरान देश के 340 स्कूल क्षतिग्रस्त हुए, जिनमें 17 स्कूल पूरी तरह नष्ट हो गए।

■ अहमद वहीदी ने गुरुवार शाम तेहरान में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि दी।

ईरान बोला- समझौता टूटा तो फिर जवाबी कार्रवाई होगी

ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा है कि अगर अमेरिका और इजराइल युद्ध खत्म करने से जुड़े अंतरिम समझौते का पालन नहीं करते, तो ईरान फिर से जवाबी कार्रवाई करेगा। ईरान की ISNA न्यूज एजेंसी के मुताबिक, गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका सैन्य ताकत के दम पर ईरान का मुकाबला नहीं कर सकता। उन्होंने दावा किया कि युद्ध में अमेरिका और इजराइल अपने किसी भी लक्ष्य को हासिल नहीं कर सके।

दावा : अमेरिका ने लगातार तीन दिनों तक किए हमले

वॉशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिकी सेना ने लगातार तीन रातों तक ईरान पर हमले किए।
- हमलों में ईरान के रडार सिस्टम को बार-बार नष्ट किया गया।
- ट्रंप ने ईरान की चरमराती अर्थव्यवस्था और खाद्य संकट का जिक्र किया।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत के बीच राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि कमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में अमेरिकी सेना ने लगातार तीन रातों तक ईरान पर हमले किए।

ट्रंप ने दावा किया कि इन हमलों के दौरान अमेरिकी सेना ने बार-बार ईरान के रडार सिस्टम को नष्ट किया और होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले कमर्शियल तेल टैंकरों को सुरक्षा भी दी। गुरुवार को सीएनबीसी को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ युद्ध करने के अपने फैसले का बचाव करने की कोशिश की। ट्रंप ने कहा, ₹हमने ईरान का रडार उड़ा दिया। उनके पास कोई रडार नहीं था और अब भी नहीं है। हमने कुछ रात पहले उसे फिर से उड़ा दिया। उनके पास एक बढ़िया नया रडार था। वे पूरी तरह तैयार थे और हमने पिछले हफ्ते उसे उड़ा दिया। उन्हें अब तीसरी बार सब कुछ फिर से शुरू करना होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका आगे की कार्रवाई के लिए तैयार है तो ट्रंप ने जवाब दिया, हमारे पास सभी जरूरी साधन मौजूद हैं।

फास्ट न्यूज

एअर इंडिया ने इंटरनेशनल उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज घटाया

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की विमानन कंपनी एअर इंडिया ने नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और UK जाने वाली अपनी उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज कम करने का एलान किया है। PTI के सूत्रों के मुताबिक, कच्चे तेल के दामों में आई कमी के बाद एयरलाइन ने यह कदम उठाया है, जिससे इन रूटों पर अंतरराष्ट्रीय हवाई सफर करने वाले यात्रियों की जेब का बोझ कम होगा।

यूजरनेम फीचर पर वॉट्सएप के बाद टेलीग्राम को नोटिस

नई दिल्ली। यूजरनेम फीचर को लेकर केंद्र सरकार ने वॉट्सएप के बाद गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम और सिग्नल को भी नोटिस भेजा है। सरकार ने पूछा है कि यूजरनेम फीचर के जरिए होने वाली ऑनलाइन ठगी, फर्जी पहचान और साइबर अपराध रोकने के लिए क्या कदम उठा रहे हैं।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, सरकार ने टेलीग्राम से पूछा कि उसे यूजरनेम फीचर जारी रखने की इजाजत क्यों दी जानी चाहिए। सरकार ने बुधवार को मेटा और वॉट्सएप के यूजरनेम फीचर पर नोटिस जारी किया था।

पाकिस्तान में अगवा कर दो विदेशी महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर शहर में दो विदेशी महिलाओं को अगवा कर उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। लाहौर पुलिस ने महिलाओं की शिकायत पर पांच पुरुषों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिनमें से एक की पहचान मोहम्मद रजा दार के रूप में हुई है।

खैबर पख्तूनख्वा में खाई में गिरी बस 40 यात्रियों की मौत

क्वेटा, एजेंसी

बलूचिस्तान के शेरानी जिले के धनसार इलाके से निकलकर खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान की ओर जा रही एक यात्री बस के खाई में गिर जाने से कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री के मीडिया और राजनीतिक मामलों के सलाहकार शाहिद रिंद के एक बयान में कहा गया, ₹शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, इस हादसे में 40 लोगों की मौत हुई है और आठ अन्य घायल हुए हैं।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती के निर्देश पर घटना के तुरंत बाद बचाव कार्य शुरू कर दिए गए थे। बयान में कहा गया, ₹दोनों प्रांतों का जिला प्रशासन, बचाव दल और अन्य संबंधित विभाग प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं।₹ साथ ही यह भी कहा गया कि घटना की जांच की जाएगी ताकि सच्चाई सामने आ सके। इससे पहले शेरानी के डिप्टी कमिश्नर वली खान काकर ने 'डॉन' को घटना की जगह और दूसरी जानकारी की पुष्टि करते हुए बताया कि बस 36 यात्रियों के साथ क्वेटा से निकली थी लेकिन रास्ते में खराब हुई एक दूसरी बस के कुछ और यात्री भी इसमें सवार हो गए। आठ घायलों को झोब के डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर हॉस्पिटल (DHQ) ले जाया गया, जबकि शवों को पहले पास के एक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। रेस्क्यू 1122 के बयान के अनुसार, बाद में शवों को झोब DHQ भेज दिया गया।

सरकार बोली- ईरान जंग में खरीदा महंगा कच्चा तेल ही प्रोसेस हो रहा, 74,781 करोड़ घाटा हुआ

पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर फैसला 2-3 महीनों में

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम होंगी या नहीं, इस पर फैसला अगले दो-तीन महीनों में ही लिया जा सकता है। अभी कुछ भी कहना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान जंग के समय जब दुनिया में कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहे थे, तब भारतीय तेल कंपनियों ने महंगे दामों पर कच्चा तेल खरीदा। रिफाइनरियां अभी उसी महंगे स्टॉक को प्रोसेस कर रही हैं। लागत से कम दाम पर तेल-गैस बेचने की वजह से देश की सरकारी तेल कंपनियों को 30 जून तक 74,781 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान समझौते के बाद क्रूड ऑयल की कीमतें नीचे आने लगी हैं। अगर यही पैटर्न 2-3 महीने तक चला तो कुछ महीनों में तेल कीमतों में राहत की उम्मीद है। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान पेट्रोल पर 19,905 करोड़ रुपए की अंडर रिकवरी हुई, जबकि डीजल पर यह आंकड़ा 1.44 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। रसोई गैस पर अप्रैल से जून के बीच कंपनियों को 24,148 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा पिछली तिमाहियों और पिछले साल के LPG के नुकसान को भी जोड़ दिया जाए, तो तेल कंपनियों का कुल नुकसान (टोटल अंडर रिकवरी) 2.1 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच जाता है।

■ केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को दिल्ली में पेट्रोल-डीजल के दाम पर बात की।

मई में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े थे

मई में IOC, BPCL और HPCL ने महंगे अंतरराष्ट्रीय क्रूड कीमतों का हवाला देते हुए किस्तों में पेट्रोल और डीजल दोनों के दामों में 7.50-7.50 प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। देश के 1 लाख से ज्यादा पेट्रोल पंपों में से 90% से अधिक पर इन तीनों सरकारी कंपनियों का नियंत्रण है।

अभी सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (IOC), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (BPCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।

“ देश की सबसे बड़ी प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल के दाम में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 3 रुपए प्रति लीटर की कमी की है। अब भोपाल में नायरा के पेट्रोल की कीमत 119.79 रुपए से घटकर 114.79 रुपए और डीजल 102.57 रुपए से घटकर 99.57 रुपए पर आ गया है।

कच्चे तेल की कीमत घटने पर फैसला

27 फरवरी को अमेरिका-ईरान जंग से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 72 डॉलर प्रति बैरल पर थे, जो युद्ध के के दौरान 110 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए थे। दोनों देशों के बीच समझौते के बाद अब वापस कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। इसके बाद नायरा ने पेट्रोल-डीजल के दाम कम किए।

बौद्ध भिक्षु के वेष में था शख्स, पर्चे मिले, लिखा था- चीन को तिब्बत से निकालो

यूएन ऑफिस के बाहर आग लगाकर जान दी

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (UN) मुख्यालय के बाहर गुरुवार शाम एक 52 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों और सामने आए वीडियो के मुताबिक, वह व्यक्ति बौद्ध भिक्षु के वेश में था। घटना से पहले उसने संयुक्त राष्ट्र परिसर के पास फुटपाथ पर तिब्बती झंडा रखा और फिर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली।

पुलिस को घटनास्थल से कुछ पर्चे मिले, जिन पर चीन को तिब्बत से निकालो लिखा था। शुरुआती जांच में इसे तिब्बत मुद्दे से जुड़ा विरोध माना जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक आत्मदाह के पीछे की अंतिम वजह की पुष्टि नहीं की है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के वक्त सभी आधिकारिक बैठकें खत्म हो चुकी थीं। इसलिए UN के नियमित कामकाज पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक की पहचान उसके एक दोस्त ने लोबगा रांगजेन के रूप में की है। बताया गया है कि वह करीब 20 साल से अमेरिका में रह रहा था। चीन के तिब्बत पर नियंत्रण के विरोध में 2009 से अब तक 150 से ज्यादा तिब्बती खुद को आग लगाकर जान दे चुके हैं। इनमें बौद्ध भिक्षु, साध्वियां, छात्र, किसान और आम लोग शामिल हैं।

पहला चर्चित मामला फरवरी 2009 में सामने आया, जब युवा भिक्षु तपे ने खुद को आग लगा ली थी। मार्च 2011 में किरती मठ के 21 वर्षीय भिक्षु फुंटसोग ने आत्मदाह किया। इसके बाद 2012 और 2013 में ऐसी घटनाएं सबसे ज्यादा हुईं।

चीन ने 2014 के बाद तिब्बत में सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी कड़ी कर दी। इसके बाद आत्मदाह की घटनाओं में कमी आई, लेकिन विरोध पूरी तरह थमा नहीं।

तिब्बती संगठनों का कहना है कि लोग चीन के शासन का विरोध जताने, दलाई लामा की तिब्बत वापसी, धार्मिक और सांस्कृतिक आजादी, तिब्बती भाषा और पहचान बचाने की मांग को लेकर यह कदम उठाते हैं।

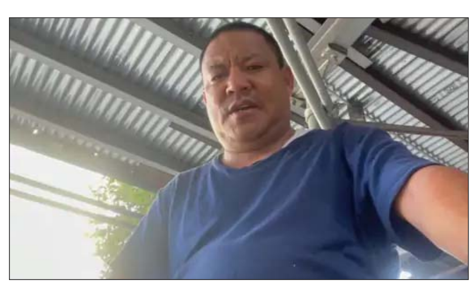

■ सोशल मीडिया पर यह तस्वीर वायरल है, जो मृतक शख्स की बताई जा रही है।

वेनेजुएला में भूकंप के मलबे से 8 दिन बाद जिंदा निकला गार्ड

- वेनेजुएला भूकंप के 8 दिन बाद गार्ड मलबे से जिंदा निकला।
- ला गुएरा शॉपिंग सेंटर से 43 वर्षीय हेरनान फ्लोरेस का बचाव।
- अंतर्राष्ट्रीय बचाव दलों ने 100 घंटे से अधिक काम किया।

कराकार, एजेंसी

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप ने जहां एक ओर पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। वहीं दूसरी ओर वेनेजुएला से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि वेनेजुएला में आए भूकंप के आठ दिन बाद मलबे से एक 43 वर्षीय सुरक्षा गार्ड को जिंदा सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। ला गुएरा के 'गैलरियास प्लाया ग्रांडे' शॉपिंग सेंटर के ढहे हुए बेसमेंट से हेरनान अल्बर्टो गिल फ्लोरेस नाम के सुरक्षा गार्ड को सुरक्षित निकाला गया। वह 24 जून से मलबे के नीचे दबे हुए थे।

मलबे के नीचे जिंदगी और मौत से जूझ रहे फ्लोरेस को डर था कि शायद वह बाहर न आ पाएं। कोस्टा रिका रेड क्रॉस के एक बचावकर्मी ने बताया कि जब हमने फ्लोरेस को खोजा, तो उन्होंने हमसे विनती की कि उनकी पत्नी को उनके जिंदा होने की बात अभी न बताएं। उन्हें डर था कि अगर वह जिंदा बाहर नहीं आ पाए, तो उनकी पत्नी का दिल टूट जाएगा। हालांकि, बचावकर्मियों ने हार नहीं मानी और उन्हें भरोसा दिया कि वे उन्हें छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे। फ्लोरेस की पत्नी गुसबीमार गोंजालेज ने बताया कि पति के जिंदा होने की खबर उनके लिए अंधेरे में रोशनी की किरण जैसी थी।

तंज : परमाणु हथियार होने के कारण पाकिस्तान की स्थिति चिंताजनक

‘परमाणु हथियार नहीं होते तो पाक की कोई परवाह नहीं करता’

- पाकिस्तान विफलता की कगार पर, आंतरिक अस्थिरता गंभीर।
- आर्थिक कमजोरियां और कट्टरपंथ देश की मुख्य समस्याएँ।

सिंगापुर, एजेंसी

नेशनल प्रेस फाउंडेशन की 'इंटरनेशनल रिपोर्टिंग फेलोशिप' के तहत पत्रकारों के साथ हुई एक विस्तृत चर्चा में पाकिस्तान के बारे में कड़ी टिप्पणी की गई। इसमें देश को एक ऐसे राज्य के तौर पर बताया गया जो विफलता की कगार पर खड़ा है।

यह आलोचना बिलहारी कौसिकन ने की। वे नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के एक स्वायत्त संस्थान मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के चेयरमैन हैं। कौसिकन ने 2010 से 2013 तक सिंगापुर के विदेश मंत्रालय में स्थायी सचिव के तौर पर काम किया था।

आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के बिगड़ने का जिक्र करते हुए पत्रकार ने कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर जनता के हिंसक हमलों की ओर भी इशारा किया। इन हमलों के कारण इस केंद्र को बंद करना पड़ा। इसके अलावा, आंशिक लॉकडाउन भी लगाए गए। इन लॉकडाउन ने जनता को एक बड़े संकट में डाल दिया है।

पाकिस्तान की खामियों को किया उजागर

उथल-पुथल भरे भू-राजनीतिक दौर में सही नजरिया बनाए रखने के विषय पर बोलते हुए लंबे समय से राजनयिक रहे कौसिकन ने एक स्थिर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर पाकिस्तान की छवि को गलत साबित कर दिया। इसके अलावा, उन्होंने देश में फैली गहरी अंदरूनी अस्थिरता और कट्टरपंथ को भी उजागर किया। उन्होंने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की गंभीर और बुनियादी कमजोरियों का भी खुलासा किया।

कौसिकन ने साफ तौर पर इस बात को खारिज कर दिया कि इस्लामाबाद की कूटनीतिक चालें उसकी बुनियादी कमजोरियों की भरपाई कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि बाहरी दिखावे से वहां की जनता की मुख्य समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता।

पाकिस्तानी पत्रकार ने खुद खोली अपने देश की पोल

दक्षिण एशियाई देश में अंदरूनी हालात बिगड़ने की गंभीर सच्चाई तब सामने आई, जब एक पाकिस्तानी पत्रकार ने राजनयिक से पाकिस्तान पर अमेरिका-ईरान टकराव के असर के बारे में सवाल किया। पत्रकार ने यह भी पूछा कि अगले पांच सालों में देश की स्थिति क्या होगी। पत्रकार ने अंदरूनी उथल-पुथल का गंभीर ब्योरा दिया। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे घरेलू हालात बिगड़ने से भारी महंगाई बढ़ी है और ईंधन की कीमतें दोगुनी हो गई हैं। इसके अलावा, इसी वजह से कतर ने पाकिस्तानी पासपोर्ट धारकों के लिए 'वीजा-ऑन-अराइवल' की सुविधा रोक दी है।

पाक से लौटते वक्त ईरान के दो बड़े नेताओं को मारना चाहता था इजरायल

यूएस के अलर्ट के बाद विमान छोड़ कार से पहुंचे तेहरान

तेहरान, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध को चार महीने से भी ज्यादा का समय बीत चुका है। हजारों बेगुनाह लोगों की मौत, लाखों का विस्थापन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीति के तमाम दांव-पेचों के बाद भी यह युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। शांति स्थापना के लिए अब तक हजारों प्रयास किए जा चुके हैं, लेकिन हर कोशिश अलग-अलग देशों के निजी स्वार्थों, अनुचित मांगों और कट्टर विचारधाराओं की भेंट चढ़ती जा रही है। ऐसे में ईरान की नीति को लेकर चल रहे मतभेदों के बीच एक बेहद चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। अमेरिकी अखबार 'द वाशिंगटन पोस्ट' और 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान को गुप्त रूप से चेतावनी दी थी कि इजरायल उसके दो सबसे शीर्ष वार्ताकारों की हत्या करने की कोशिश कर सकता है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि अमेरिका को डर था कि अगर इजरायल ने इन नेताओं को निशाना बनाया, तो युद्ध रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने के लिए चल रही शांति वार्ता पूरी तरह से तबाह हो जाएगी और क्षेत्र में फिर से भीषण जंग छिड़ जाएगी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इजरायल के निशाने पर ईरान के ये दो बड़े नेता थे। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघर गालिबफ। एक अनाम अमेरिकी अधिकारी ने अखबार को बताया कि अगर इजरायल इन लोगों को मार देता है, तो समझो बातचीत की उम्मीद खत्म हो गई।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96